साान्ध्य हिन्दी दैनिक

जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

वर्ष - 02 | अंक - 163 | जौनपुर, शनिवार, 09 मार्च 2024 | सान्ध्य दैनिक (संस्करण) | पेज - 4 | मूल्य - 2 रूपये

संक्षिप्त खबरें

कोरोना के लक्षणों के साथ दिल्ली में पैर पसार रहा फ्लू

नई दिल्ली, एजेंसी। कोरोना के लक्षणों के साथ फ्लू के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं। मरीजों में लंबे समय तक खांसी देखी जा रही है। इसके अलावा जुकाम, हल्का बुखार, सांस लेने में दिक्कत, आंख से पानी जैसी दिक्कत भी हो रही है। डॉक्टरों का कहना है कि मौसम में आए अचानक बदलाव के कारण फ्लू के मामले तेजी से बढ़े हैं। इन मरीजों में कोरोना के लक्षण हैं। काफी मरीजों की रिपोर्ट भी पॉजिटिव आई है। राहत की बात है कि मरीजों की स्थिति ज्यादा गंभीर नहीं हो रही।

वहीं अन्य डॉक्टरों का कहना है कि फ्लू के मामलों में आई तेजी के कारण जीटीबी, लोकनायक, डीडीयू सहित अन्य अस्पतालों की ओपीडी में 25 से 30 फीसदी तक मरीज बढ़ गए हैं। इन मरीजों में लगभग एक जैसे ही लक्षण हैं। जीटीबी अस्पताल में मेडिसिन विभाग के प्रोफेसर डॉ. अमितेश अग्रवाल ने कहा कि ओपीडी में 25 फीसदी तक मरीज बढ़े हुए हैं। इन मरीजों में सामान्य लक्षण दिख रहे हैं, लेकिन ज्यादातर मरीज लंबे समय तक खांसी की शिकायत कर रहे हैं।

साथ ही यह भी देखा जा रहा है कि यदि किसी परिवार में एक व्यक्ति हो यह समस्या हुई है तो दूसरे भी इसकी चपेट में आसानी से आ रहे हैं। ऐसे में यदि किसी परिवार में यह समस्या है तो उन्हें कोविड नियमों का सख्ती से पालन करना चाहिए। डॉ. राम मनोहर लोहिया अस्पताल में मेडिसिन विभाग के प्रोफेसर डॉ. पुलिन कुमार गुप्ता ने बताया कि अचानक बढ़ रहे मामलों की चेन तोड़ने के लिए मास्क पहनें।

दिल्ली हाईकोर्ट ने कहा– राशन कार्ड निवास का प्रमाण नहीं

नई दिल्ली, एजेंसी। उच्च न्यायालय ने कहा है कि राशन कार्ड विशेष रूप से सार्वजनिक वितरण प्रणाली के तहत आवश्यक वस्तुएं प्राप्त करने के लिए जारी किया जाता है। इसे पते या निवास का प्रमाण नहीं माना जा सकता है। न्यायमूर्ति ने क्षेत्र के पुनर्विकास के बाद पुनर्वास योजना के तहत वैकल्पिक आवास की मांग करने वाली कठपुतली कॉलोनी के पूर्व निवासियों की याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए यह माना कि योजना के तहत लाभ का दावा करने के लिए अनिवार्य दस्तावेज के रूप में राशन कार्ड की आवश्यकता मनमानी और अवैध थी। अदालत ने आदेश में कहा कि राशन कार्ड की परिभाषा के अनुसार, इसे जारी करने का उद्देश्य उचित मूल्य की दुकानों के माध्यम से आवश्यक खाद्य पदार्थों को वितरित करना है। यह किसी भी राशन कार्ड धारक के लिए निवास का पहचान प्रमाण बनने के बराबर नहीं है।

कांग्रेस को आईटीएटी से झटका, बैंक खातों पर आय कर विभाग की कार्रवाई पर स्टे की याचिका खारिज

नई दिल्ली, एजेंसी। आयकर अपीलीय न्यायाधिकरण (आईटीएटी) ने कांग्रेस पार्टी द्वारा दायर उस याचिका को खारिज कर दिया है, जिसमें बकाया वसूलने और उनके बैंक खातों को फ्रीज करने के लिए आयकर विभाग की कार्यवाही पर रोक लगाने की मांग की गई थी। कांग्रेस पार्टी का प्रतिनिधित्व कर रहे वरिष्ठ वकील विवेक तन्खा ने आईटीएटी से आग्रह किया कि उन्हें उच्च न्यायालय में अपील करने की अनुमति देने के लिए आदेश को दस दिनों के लिए निलंबित कर दिया जाए। तन्खा ने पार्टी के वित्तीय मामलों के लिए निर्णय के महत्वपूर्ण परिणामों पर जोर देते हुए कहा, ष्चूंकि आपने स्थगन आवेदन खारिज कर दिया है, जिसके पार्टी के लिए दूरगामी परिणाम होंगे। क्या मैं अदालत से आदेश को 10 दिनों के लिए स्थगित रखने का अनुरोध कर सकता हूं?ष कि मैं उच्च न्यायालय जा सकता हूँ?" आईटीएटी ने याचिका पर विचार

करने से इनकार कर दिया हालाँकि, अपीलीय न्यायाधिकरण ने इस तरह के आदेश जारी करने के अधिकार की कमी का हवाला देते हुए याचिका पर विचार करने से इनकार कर दिया।

स्थगन आवेदन आईटी विभाग की 210 करोड़ रुपये की मांग से संबंधित था, जो 2018–19 के आयकर रिटर्न के संबंध में उठाया गया था।तर्क दिया कि उनके बैंक खाते पर ग्रहणाधिकार ने उनकी वित्तीय स्थिति को गंभीर रूप से प्रभावित किया।

दुनिया को भारत के बारे में बतायें रचनाकार - पीएम मोदी

नयी दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने देशवासियों से दुनिया को भारत के बारे में जानकारी देने के लिए सृजन अभियान चलाने का आह्वान किया है, जिसमें भारत की कहानियों, संस्कृति, विरासत और परंपराओं के बारे में बताया जाए। पीएम मोदी ने शुक्रवार को यहां भारत मंडपम में पहला राष्ट्रीय सृजन पुरस्कार प्रदान किया। उन्होंने विजेताओं के साथ संक्षिप्त बातचीत भी की। यह राष्ट्रीय पुरस्कार कहानी कहने, सामाजिक बदलाव की वकालत करने, पर्यावरणीय स्थिरता, शिक्षा और गेमिंग सहित अन्य क्षेत्रों में उत्कृष्टता और उसके प्रभाव को सम्मानित करने का एक प्रयास है। इस पुरस्कार की कल्पना रचनात्मकता के जरिए सकारात्मक बदलाव लाने के लिए एक लॉन्चपैड के रूप में की गई है। प्रधानमंत्री ने इन पुरस्कारों के लिए भारत मंडपम स्थल का उल्लेख करते हुए कहा कि देश के रचनाकार आज उसी स्थान पर एकत्र हुए हैं, जहां से विश्व नेताओं ने जी20 शिखर सम्मेलन में भविष्य को दिशा दी थी। उन्होंने जोर देकर कहा कि बदलते समय और नए युग के आगमन के साथ कंधे से कंधा मिलाकर चलना देश की जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि देश आज पहले सृजन पुरस्कारों के साथ उस जिम्मेदारी को पूरा कर रहा है। प्रधानमंत्री ने भविष्य का पहले से विश्लेषण करने की क्षमता पर प्रकाश डालते हुए कहा, "राष्ट्रीय सृजन पुरस्कार नए युग को उसकी शुरुआत से पहले ही पहचान दे रहे हैं।" उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि राष्ट्रीय सृजन पुरस्कार आने वाले समय में नये युग को ऊर्जा देकर और युवाओं की रचनात्मकता तथा दैनिक जीवन के पहलुओं के

प्रति संवेदनशीलता का सम्मान करते हुए एक मजबूत प्रभाव स्थापित करेगा। भविष्य में राष्ट्रीय सृजन पुरस्कार रचनाकारों के लिए प्रेरणा का एक बड़ा स्रोत बनेंगे और उनके काम को एक पहचान दिलाएंगे। प्रधानमंत्री ने कहा कि सामग्री और रचनात्मकता के बीच सहयोग से जुड़ाव बढ़ता है, सामग्री और डिजिटल का सहयोग बदलाव लाता है, और उद्देश्य के साथ सामग्री निर्माण अपना प्रभाव दिखाता है। श्री मोदी ने विषय वस्तु रचनाकारों से समाज में प्रेरणा लाने का अनुरोध किया। उन्होंने रचनाकारों से लड़के और लड़कियों का पालन–पोषण करते समय माता–पिता में समानता की भावना को प्रगाढ़ करने के लिए प्रेरक विषय वस्तु तैयार करने का आग्रह किया। उन्होंने उनसे समाज के साथ जुड़ने और इस सोच को हर घर तक ले जाने की बात कही।

भारतीय वायुसेना हवाई क्षेत्र की रक्षा कर रही, अंतरिक्ष कार्यक्रम में अहम योगदान दे रही है - राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू

गाजियाबाद, संवाददाता। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने शुक्रवार को भारतीय वायुसेना की चार इकाइयों

को 'राष्ट्रपति मानक एवं रंग (प्रेजिटेंड्स स्टैंडर्ड एंड कलर्स)' पुरस्कार से सम्मानित किया। गाजियाबाद में हिंडन वायु सेना स्टेशन में आयोजित एक समारोह में 45 स्क्वाड्रन और 221 स्क्वाड्रन को 'राष्ट्रपति के मानक' और 11 'बेस रिपेयर डिपो' तथा 509 सिग्नल यूनिट को 'राष्ट्रपति के रंग' पुरस्कार से सम्मानित किया गया। भारतीय वायुसेना के इतिहास में यह पहला अवसर है जब वायुसेना की चार इकाइयों को एक साथ इन पुरस्कारों से सम्मानित किया गया। राष्ट्रपति मानक और रंग पुरस्कार किसी भी सशस्त्र बल इकाई के लिए सर्वोच्च सैन्य सम्मान है। इस प्रतिष्ठित पुरस्कार के लिए चुनी गई चारों इकाइयों का भारतीय वायुसेना के इतिहास में शानदार योगदान है। वायुसेना की 45 स्क्वाड्रन को 'फ्लाइंग डैगर्स' के नाम से भी जाना जाता है। इसकी स्थापना 1959 में हुई थी। इस स्क्वाड्रन ने 1960 में पुर्तगाली शासन से गोवा की आजादी के लिए 'ऑपरेशन विजय' में भाग लिया था। वायुसेना की 221 स्क्वाड्रन को 'वैलिएंट्स' के नाम से जाना जाता है। इसकी स्थापना 14 फरवरी 1963 को वैम्पायर विमान से लैस बैरकपुर में की गई थी। इस स्क्वाड्रन के गठन के बमुश्किल दो साल बाद इसे 1965 के भारत–पाकिस्तान युद्ध के दौरान पूर्वी क्षेत्र में तैनात किया गया था, जहां इसने सराहनीय योगदान दिया था। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कहा कि देश की सेवा में भारतीय वायुसेना का योगदान 'स्वर्णाक्षरों' में अंकित है और वह न केवल हवाई क्षेत्र की रक्षा कर रही है, बल्कि भारत के अंतरिक्ष कार्यक्रमों में भी अहम योगदान दे रही है। मुर्मू ने भारतीय वायुसेना की चार इकाइयों को 'राष्ट्रपति मानक एवं रंग (प्रेजिटेंड्स स्टैंडर्ड एंड कलर्स)' पुरस्कार से सम्मानित करने के लिए आयोजित एक कार्यक्रम में कहा कि उन्हें विश्वास है कि अधिक से अधिक महिलाएं वायुसेना में भर्ती होंगी और राष्ट्र की सेवा करेंगी। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर महिलाओं को बधाई भी दी। उन्होंने कहा कि राष्ट्र की सेवा में भारतीय वायुसेना का योगदान स्वर्णाक्षरों में अंकित है। राष्ट्रपति ने कहा, ''यह हर्ष की बात है।

कोस्टल रोड क्षेत्र में बनेगा विश्व स्तरीय पार्क – सीएम शिंदे

मुंबई, एजेंसी। धर्मवीर संभाजी महाराज मुंबई कोस्टल रोड यानी मुंबई कोस्टल रोड परिसर में 320 एकड़ का विश्व स्तरीय पार्क बनाया जाएगा। ऐसा आज मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने बताया। सागरी किनारा मार्ग सहित मुख्यमंत्री श्री शिंदे ने वर्ली, दादर इलाके में सीमेंट सड़कों के काम का निरीक्षण किया। उन्होंने मुंबई महानगरपालिका और संबंधित एजेंसियों को निर्देश दिया कि ये सभी काम मानसून से पहले समय पर पूरे हो जाने चाहिए। मुख्यमंत्री श्री शिंदे ने मुंबई कोस्टल रोड का निरीक्षण किया। इसके लिए उन्होंने वर्ली से मरीन ड्राइव तक का सफर किया। इस दौरान उन्होंने चल रहे कार्यों का निरीक्षण किया और अधिकारियों को जरूरी निर्देश भी दिए। इस अवसर पर मुख्यमंत्री श्री शिंदे के साथ मुंबई शहर जिले के पालक मंत्री दीपक केसरकर, मुंबई उपनगर जिले के पालक मंत्री मंगल प्रभात लोढ़ा, मुंबई महानगरपालिका के आयुक्त व प्रशासक डॉ. इकबाल सिंह चहल, अतिरिक्त आयुक्त डॉ. सुधाकर शिंदे उपस्थित थे। मुंबई मनपा द्वारा तैयार की जा रही इस कोस्टल रोड का काम तेजी से पूरा किया जा रहा है. इस कोस्टल रोड परिसर में 320 एकड़ क्षेत्र में एक भव्य सेंट्रल पार्क का निर्माण किया जाएगा और 200 एकड़ क्षेत्र में विभिन्न पेड़ लगाए जाएंगे। मुख्यमंत्री ने मीडिया प्रतिनिधियों को बताया कि इस विश्व स्तरीय पार्क का निर्माण किया जाएगा और जल्द ही कोस्टल रोड को नागरिकों की सेवा में लाया जाएगा। इसके बाद मुख्यमंत्री श्री शिंदे ने वर्ली क्षेत्र के गणपतराव कदम मार्ग, नेहरू साइंस पार्क के सेठ मोतीलाल सांघी मार्ग और दादर के दादासाहेब रेगे मार्ग पर चल रहे सड़क कंक्रीटिंग कार्य का निरीक्षण किया। इस अवसर पर उन्होंने स्थानीय नागरिकों से बातचीत भी की। यह सभी कार्य समय पर एवं गुणवत्ता के साथ हो इसका ध्यान रखा जाए।

चित्रकूट के समग्र विकास के लिए प्राधिकरण बनेगा – मोहन यादव

चित्रकूट, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने स्वदेश दर्शन और प्रसाद योजना के अंतर्गत मध्य प्रदेश को चित्रकूट, अमरकंटक और पीतांबरा पीठ मंदिर दतिया को कई सौगातें दीं। वहीं, राज्य के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने चित्रकूट के समग्र विकास के लिए चित्रकूट विकास प्राधिकरण के गठन का ऐलान किया। प्रधानमंत्री मोदी ने जम्मू–कश्मीर के श्रीनगर से पर्यटन मंत्रालय की स्वदेश दर्शन और प्रसाद योजना के अंतर्गत नौ परियोजनाओं का वर्चुअल लोकार्पण किया। इसमें मध्यप्रदेश में 118.72 करोड़ की स्वदेश दर्शन 2.0 में ग्वालियर और चित्रकूट एवं प्रसाद योजना में अमरकंटक और पीतांबरा पीठ मंदिर दतिया का विकास कार्य शामिल है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव कार्यक्रम में चित्रकूट से शामिल हुए। उन्होंने चित्रकूट के समन्वित विकास और उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश

के नगरीय निकाय, ग्राम पंचायत क्षेत्र में समन्वय स्थापित कर चित्रकूट के समग्र विकास के लिए चित्रकूट विकास प्राधिकरण के गठन की घोषणा की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा, प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में सांस्कृतिक अनुष्ठान चल रहा है। हमें हमारी सनातन संस्कृति पर गर्व है। मध्य प्रदेश की धरती पर जहां–जहां प्रभु श्रीराम और श्रीकृष्ण के चरण पड़े हैं, उन सभी स्थानों को आदर्श तीर्थ के रूप में विकसित किया जाएगा।

लोकसभा चुनाव के लिए आम आदमी पार्टी ने शुरू प्रचार अभियान की तैयारी

नई दिल्ली, एजेंसी। आम आदमी पार्टी ने शुक्रवार को राष्ट्रीय राजधानी से आगामी लोकसभा चुनाव के लिए राजनीतिक अभियान की शुरुआत करने के लिए तैयारी कर ली है। पार्टी के मुताबिक लोकसभा चुनावों के लिए राजनीतिक अभियान दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान द्वारा घोषित उम्मीदवारों की उपस्थिति में शुरु किया जाएगा। खासतौर से पार्टी ने अभियान के लिए रणनीति भी तैयार की है। इस रणनीति के तहत कई मुद्दों पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा। इसमें मौजूदा सांसदों को हटाने से लेकर भाजपा के कई फैसलों को जनता के सामने लाना भी शामिल है। आम आदमी पार्टी कांग्रेस के साथ गठबंधन कर आम चुनाव लड़ने की तैयारी में है। दोनों ही पार्टियां 4:3 के फॉर्मूले पर लोकसभा चुनावों के लिए सीट बंटवारा करने जा रही है।

महिलाओं के लिए घोषणा

दिल्ली में आम आदमी पार्टी कर और कांग्रेस पार्टी तीन लोकसभा सीटों पर चुनाव लड़ने का फैसला कर चुकी है। दिल्ली में नई दिल्ली, पश्चिमी दिल्ली, दक्षिण दिल्ली और पूर्वी दिल्ली से चुनाव मैदान में उतरेगी। वहीं कांग्रेस पार्टी चांदनी चौक, उत्तर पूर्व और उत्तर पश्चिम दिल्ली से चुनाव में अपनी किस्मत आजमाएगी। गौतम भाई की दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की घोषणा किया कि राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में मुफ्त बिजली योजना को 31 मार्च 2025 तक के लिए बढ़ाया गया है। उन्होंने कहा कि मैं दिल्ली के लोगों को बहुत–बहुत बधाई देता हूं। दिल्ली की जनता 24 घंटे बिजली, जीरो पावर कट, मुक्त बिजली योजना को 31 मार्च 2025 तक के लिए बढ़ाया गया है।

यूपी सरकार का ऐलान, सेमीकंडक्टर उद्योग लगाने वालों को वित्तीय के साथ ही मिलेंगे गैर वित्तीय प्रोत्साहन

लखनऊ, संवाददाता। उत्तर प्रदेश में सेमीकंडक्टर यूनिट लगाने वाले उद्यमियों को योगी सरकार न सिर्फ वित्तीय प्रोत्साहन देगी, बल्कि गैर वित्तीय प्रोत्साहन भी प्रदान करेगी। सेमीकंडक्टर पॉलिसी के अनुसार राज्य में सेमीकंडक्टर उद्योग को आवश्यक सेवा और रख–रखाव अधिनियम (ईएसएमए) के तहत एक आवश्यक सेवा प्रदाता के रूप में वर्गीकृत किया जाएगा। उल्लेखनीय है कि इस अधिनियम की स्थापना कुछ सेवाओं की डिलीवरी सुनिश्चित करने के लिए की गई थी, जिनके बाधित होने पर लोगों का सामान्य जीवन प्रभावित होगा। ऐसे में सेमीकंडक्टर यूनिट की सफलता के लिए यह योगी सरकार का बहुत बड़ा कदम होगा।

24 घंटे होगी जल और बिजली की आपूर्ति

इसके अतिरिक्त, पॉलिसी में प्रोत्साहन के लिए कई और महत्वपूर्ण उपाय भी किए गए हैं। इसके अनुसार औद्योगिक प्राधिकरण चौबीस घंटे पर्याप्त पानी उपलब्ध कराएंगे तथा एसटीपी निस्तारण की सुविधा भी प्रदान करेंगे अथवा बनाएंगे। इसके साथ ही इकाई को ओपन एक्सेस के माध्यम से विद्युत प्राप्त करने की अनुमति दी जाएगी। यही नहीं, इकाई को नवीकरणीय हरित ऊर्जा के लिए पॉवर बैंकिंग भी प्रदान की जाएगी। यह राज्य के विद्युत नियामक आयोग (ईआरसी) दिशानिर्देशों के अनुसार शासित होगा। सरकार पावर ग्रिड में पर्याप्त अतिरिक्तता सुनिश्चित करेगी, ताकि फैब परियोजनाओं के निर्बाध संचालन के लिए विश्वसनीय बिजली की आपूर्ति प्रदान की जा सके। इकाइयों के प्रोत्साहन के लिए नॉन–डिस्टर्बेन्स प्राविधान भी लागू किए जाएंगे। इसके अंतर्गत सेमीकंडक्टर इकाइयों को संरक्षण दिया जाएगा, ताकि उनको बाधारहित व्यवसाय के लिए अनुकूल वातावरण प्रदान किया जा सके। इसके तहत सुनिश्चित व्यापार निरंतरता प्रदान करने के लिए इकाइयों को कुछ इम्यूनिटी भी दी गई है।

एक पूर्व न्यायाधीश के फैसलों से बंगाल का नाम खराब हुआ – सीएम ममता बनर्जी

कोलकाता, एजेंसी। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने गुरुवार को बिना किसी का नाम लिए कलकत्ता उच्च न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश अभिजीत गंगोपाध्याय पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि उनके कुछ फैसलों ने राज्य को राष्ट्रीय स्तर पर बदनाम कर दिया है। मुख्यमंत्री ने गुरुवार दोपहर को यहां तृणमूल कांग्रेस द्वारा आयोजित एक रैली के अंत में कहा, ष्कुछ लोग अक्सर मुझसे कहते हैं कि पश्चिम बंगाल में दिए गए कुछ अदालती फैसलों को देखते हुए न केवल लोग, बल्कि बाघ भी राज्य से भाग जाएंगे। मैं उन्हें बताता हूं कि उनके जैसे कुछ ही लोग हैं। गंगोपाध्याय का नाम लिए बिना मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि जब वह न्यायाधीश थे तो "पूर्व न्यायाधीश" ने अनावश्यक रूप से तृणमूल को निशाना बनाया। सीएम ममता

ने कहा, "एक न्यायाधीश के रूप में उन्होंने टेलीविजन साक्षात्कार दिए। उन्होंने अभिषेक बनर्जी का नाम लेते हुए कई बातें कहीं। आखिरकार उन्होंने भाजपा में शामिल होने के अपने फैसले की घोषणा की। अब वह बेनकाब हो गए हैं। आने वाले दिनों में उनका मूल्यांकन आम लोग करेंगे। प्रतिक्रिया देते हुए राज्य भाजपा प्रवक्ता और राज्यसभा सदस्य समिक भट्टाचार्य ने तृणमूल पर आरोप लगाया।

संपादकीय

उसके पास सवारी के लिए कोई टिकट नहीं

पिछले दशक में राज्य और लोकसभा चुनावों में महिला मतदाताओं की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि व्यवहार में एक महत्वपूर्ण बदलाव है। इस बदलाव को नारी शक्ति या महिला शक्ति की अभिव्यक्ति घोषित करके, राजनीतिक दलों ने नियमों का पालन करने और लक्षित योजनाओं को लागू करने के अलावा वास्तव में कुछ किए बिना महिलाओं को सशक्त बनाने का श्रेय आसानी से ले लिया है। लोकसभा चुनावों के लिए अभियान शुरू होने के साथ ही महिलाएं, एक अविभाजित जनसमूह के रूप में, फोकस में हैं। उनका मूल्य और भूमिका उन तरीकों से मापने योग्य है जो प्रतिस्पर्धा की तीव्रता को दर्शाते हैं जिसमें भाजपा ने खुद को अपनी पिछली सीटों के खिलाफ खड़ा किया है – एनडीए के लिए श्अबकी बार 400 पारश जैसे नारे के साथ – और कांग्रेस के असंगठित विपक्ष के खिलाफ, क्षेत्रीय दल और अन्य छोटे खिलाड़ी। इंडिया ब्लॉक में इन पार्टियों का प्रवेश और निकास उनकी भूमिका को अस्पष्ट बनाता है – कभी–कभी चुनौती देने वाला, कभी–कभी रक्षक – क्योंकि उनकी भूमिकाएँ राज्यों में भिन्न–भिन्न होती हैं। चुनावी मौसम में, नरेंद्र मोदी से लेकर ममता बनर्जी तक, राहुल गांधी से लेकर योगी आदित्यनाथ तक, महिलाएं अब स्टॉक भाषण का एक महत्वपूर्ण घटक हैं। महिला मतदाताओं को आकर्षित करने की प्रतिस्पर्धा 2019 से तेज हो गई है। इसका कारण स्पष्ट रूप से महिलाओं की बढ़ती दृश्यता और लक्षित लाभ की गारंटी देने वाली पार्टियों के लिए उनकी प्राथमिकता है। 2019 में महिला मतदाताओं में 5.1 फीसदी की बढ़ोतरी हुई. इसके बाद से राज्य चुनावों में उनकी भागीदारी बढ़ी है. हालाँकि, इस बात का कोई सबूत नहीं है कि राजनीतिक दलों ने बदलाव के साथ तालमेल बनाए रखने के लिए राज्य और विधानसभा चुनावों में अधिक महिलाओं को उम्मीदवार के रूप में नामित किया है। तृणमूल कांग्रेस को छोड़कर, जिसने 2019 में 40 प्रतिशत सीटों पर और 2021 के राज्य चुनावों में 40 प्रतिशत से कम सीटों पर महिलाओं को मैदान में उतारा, अधिकांश राजनीतिक दलों का मानना घ्छै कि महिलाओं के जीतने की संभावना कम है। भाजपा के उम्मीदवारों की पहली सूची पूर्वाग्रह की पुष्टि करती है। घोषित 155 उम्मीदवारों में से लगभग 18 प्रतिशत महिलाएं हैं। मध य प्रदेश, छत्तीसगढ़, राजस्थान विधानसभा चुनावों में महिलाओं को टिकट देने की संख्या एक तिहाई के आसपास भी नहीं थी। महिला आरक्षण अधिनियम 2023 में आरक्षित 33 प्रतिशत सीटों में पूर्वाग्रह की दृढ़ता दिखाई देती है। 2009 से पंचायती राज संस्थानों में महिलाओं के लिए आरक्षण 50 प्रतिशत आंका गया है। फिर राजनीतिक वर्ग ने यह निर्णय क्यों लिया कि राज्य में 33 प्रतिशत आरक्षण पर्याप्त है विधानसभाएं और लोकसभा? पंचायती राज संस्थाओं के निर्वाचित प्रतिनिधियों के रूप में महिलाओं की भागीदारी, इस वास्तविकता को दर्शाती है कि वे शासन की त्रि–स्तरीय संरचना के भीतर कहाँ खड़ी हैं। सत्ता ने पंचायतों के प्रबंधन में लैंगिक गतिशीलता को नहीं बदला है। श्पंचायत पतिश की आधिकारिक मान्यता एक घृणित प्रथा है जो महिला पंचायत प्रधान की शक्ति को जानबूझकर छीन लेती है। महिला पंचायत प्रधानों के पतियोंध्परिवार के पुरुष सदस्यों को शामिल करने के निर्देश के साथ राज्यों को भेजा गया केंद्र सरकार का हालिया परिपत्र इस झूठ को उजागर करता है। अधिक महिला मतदाताओं का श्रेय लेने और लक्षित योजनाओं के माध्यम से वफादारी कार्यक्रम बनाने की होड़ में, जिन प्रश्नों का उत्तर देने की आवश्यकता है वह यह है कि अधिक महिलाएं मतदान केंद्रों तक क्यों पहुंचती हैं और ऐसा करके वे क्या उम्मीद करती हैं। राजनीतिक दल नियमित रूप से महिलाओं की ओर से सवालों का जवाब देते हैं, जो महिलाओं को अदृश्य करने और उनकी तर्कसंगतता और एजेंसी को छीनने का एक और तरीका है। अधिकांश राजनीतिक नेता यह आश्चर्य करने से नहीं चूकते कि क्या महिलाओं के बारे में उनके बात करने का तरीका आक्रामक रूप से संरक्षण देने वाला नहीं है। सबसे अधिक प्रचारित योजनाएं एक मां, देखभाल करने वाली या रसोइया, या जरूरतमंद और असहाय (लाडली बहना या लक्ष्मीर भंडार) के रूप में महिला के आसपास बनाई गई हैं। लड़कियों को शिक्षा के लिए सहयोग दिया जाता है। लेकिन नौकरियों और महिलाओं के लिए नौकरियों तक पहुंचने के लिए आवश्यक बुनियादी ढांचे पर, एक बहरा कर देने वाली चुप्पी है। राजस्थान, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ में, भाजपा ने पुलिस सहित सरकारी नौकरियों में महिलाओं को कोटा देने का वादा किया है। यह कल्पना करना कि महिलाएं बस इतना ही चाहती हैं, वह सीमा है जिसे पितृसत्ता की चपेट में राजनीतिक वर्ग स्वीकार करने से इनकार करता है। लाभ के लिए वोटों की अदला–बदली यह दर्शाती है कि महिलाओं को चुनाव के दौरान और चुनाव के दौरान उनके पास मौजूद शक्ति के बारे में पता है। ऐसा लगता है कि उन्होंने इसका इस्तेमाल हाल ही में राजस्थान, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ के चुनावों में किया है। जिस पार्टी ने अधिक पेशकश की उसे वोटों में थोड़ी लेकिन महत्वपूर्ण बढ़त मिली। मध य प्रदेश में 32 क्षेत्रों में पुरुषों की तुलना में महिलाओं ने अधिक मतदान किया. छत्तीसगढ़ में लगभग समान संख्या में पुरुषों और महिलाओं ने मतदान किया. मिजोरम में पुरुषों की तुलना में महिलाओं ने अधिक मतदान किया. 2011 में सत्ता में आने से पहले से ही ममता बनर्जी ने महिलाओं को वोट बैंक के रूप में पोषित किया है।

आर्थिक दबाव पाकिस्तान को भारत के करीब खींच सकता

आदित्य

नए प्रधान मंत्री शहबाज शरीफ के अंततः दूसरे कार्यकाल के लिए इस्लामाबाद में प्रधान मंत्री भवन में विराजमान होने के साथ, क्या पाकिस्तान की सेना, इस अर्ध–सैन्य शासित राज्य के वास्तविक शासक, अंततः सांस ले पाएंगे? असंभावित. जबकि पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था खस्ताहाल है, बेरोजगारी और भोजन की कीमतें आसमान छू रही हैं, इमरान खान का जिन्न–अदम्य, सैन्य दबाव के प्रति अभेद्य–सेना की अच्छी तरह से निर्धारित योजनाओं को विफल करने के लिए तैयार है। सत्ता प्रतिष्ठान के खिलाफ लगातार प्रदर्शन करते हुए, खान की पाकिस्तान तहरीक–ए–इंसाफ इस शनिवार को देश भर में सड़क पर विरोध प्रदर्शन शुरू करने के लिए तैयार है, जो ष्लूटे गएष चुनाव पर युवाओं के बीच गुस्से को भड़काने और इस सेना के अधीन सुविधा की शादी को खत्म करने के अलावा और कुछ नहीं कर सकता है। राजनीतिक संकर शासन. उन्हें चुप कराने के लिए डराने–धमकाने की हर कोशिश के बावजूद, जेल में बंद खान, सेना के पूर्व शिष्य और जिनकी आवाज संसद में जनरल अयूब खान के पोते उमर अयूब खान हैं, ही हैं, जो इस सौदे को पटरी से उतार सकते हैं, जिसने एक और पसंदीदा को चर्चा में ला दिया है। सीट। इसमें कोई आश्चर्य की बात नहीं है कि पूर्व प्रधान मंत्री मियां नवाज शरीफ, जो लंदन में अपना चार साल का आत्म–निर्वासन समाप्त करके एक भव्य घर वापसी पर लौटे थे, ने एक दिखावटी चुनाव में पार्टी के रूप में देखे जाने के बजाय अपने छोटे भाई को पद संभालने के लिए राजी कर लिया है। जिन विश्लेषकों ने सोशल मीडिया पर भी असहमति को कुचलने के लिए पाकिस्तान के सैन्य प्रतिष्ठान को अपनी ही नियम पुस्तिका के अनुसार खेलना जारी रखा है, उनकी आलोचना की है, यह अकेले काम नहीं कर रहा है। इसे चुपचाप विदेशी शक्तियों की एक शक्तिशाली तिकड़ी द्वारा निर्देशित किया जा रहा है जो एक बेकाबू मनमौजी को उस तरह की खुली छूट नहीं दे सकती जो उसे गलती से 2018 में दी गई थी। जबकि पाकिस्तान अब चीन के खिलाफ अमेरिका के महान खेल की कुंजी नहीं है – वह संदिग्ध विशेषाधिकार अब भारत के पास है – वाशिंगटन भी इस्लामाबाद से दूर नहीं जा सकता है। इमरान पर अमेरिका के रुख में बड़ा बदलाव – जो तब शुरू हुआ जब बिडेन प्रशासन के दक्षिण और मध्य एशिया के सहायक सचिव डोनाल्ड लू को इमरान ने सार्वजनिक रूप से वाशिंगटन में पाकिस्तान के दूत को उनकी सरकार गिराने का निर्देश देने के लिए नामित किया था – देखा गया। फरवरी में जब पाकिस्तान के मतदाताओं ने वोट डाला तो कुछ समय के लिए रुक गया और इमरान की एआई छवियों ने इस प्रक्रिया को धांधली बताकर खारिज कर दिया। वाशिंगटन में सहानुभूति, जनता की राय से अधिक, अमेरिकी कांग्रेस और विदेश विभाग के कुछ सदस्यों तक सीमित हो सकती है, व्हाइट हाउस के प्रवक्ता जॉन किर्बी ने ष्डराने और मतदाता दमनष के बारे में आशंका व्यक्त की है। अमेरिका का असली इरादा इस सप्ताह तब सामने आया, जब शहबाज ने शपथ ली और उनकी सख्त बोलने वाली भतीजी मरियम नवाज पंजाब की पहली महिला मुख्यमंत्री चुनी गईं। अमेरिकी विदेश विभाग ने न केवल मरियम नवाज के चुनाव को ष्पाकिस्तानी राजनीति में एक मील का पत्थर के रूप में तोड़नेष का स्वागत किया, बल्कि यह भी कहा कि अमेरिका नए प्रधान मंत्री के तहत अपनी ष्मजबूत साझेदारीष को मजबूत करना चाहता था। वाशिंगटन का यह कदम न केवल पाकिस्तान–अफगानिस्तान में, बल्कि यूरोप में भी, जहां नाटो के विस्तार से घबराया हुआ, यूक्रेन को नष्ट करके प्रभुत्व पुनः प्राप्त कर रहा है, सत्ता शून्य में पूरी तरह से वापस कदम रखने में असमर्थता पर बढ़ती चिंताओं से प्रेरित है। मध य पूर्व, जहां परमाणु संपन्न ईरान इजराइल के खिलाफ

हमास–हौथी–हिजबुल्लाह लड़ाई की योजना बना रहा है। वाशिंगटन पाकिस्तान में मंदी से विचलित नहीं हो सकता। जबकि वह इस बात से पूरी तरह वाकिफ है कि उसकी हथियार साझेदार सेना ने चुनाव नतीजों में हस्तक्षेप करके गलती की है, जैसा कि उसने पिछली बार किया था, जब उसने वैध रूप से चुने गए नवाज को बाहर कर दिया था और एक कुख्यात क्रिकेटर से नेता बने को लाया था, यह खान की सहानुभूति थी तहरीक–ए–तालिबान असली लाल झंडा था। इमरान ने खुले तौर पर तहरीक–ए–तालिबान पाकिस्तान और अन्य चरमपंथी समूहों से उत्तरी वजीरिस्तान में बसने का आग्रह किया था, जिन्होंने अफगानिस्तान में शरण ली थी और पाकिस्तानी सेना और नागरिकों को शिकार बनाया था। खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में इमरान की पीटीआई की वापसी को देखते हुए, पाकिस्तान के सैन्य प्रमुख जनरल असीम मुनीर ने शहबाज के शपथ लेने के कुछ घंटों के भीतर कोर कमांडरों की बैठक बुलाई।

लोकसभा चुनाव - यादें सुकुमार सेन और टीएन शेषन की

आर. के.

एक बार फिर से देश लोकसभा चुनावों के लिए तैयार है। लोकसभा चुनावों की घोषणा अब कभी भी हो सकती है। देश में चारों तरफ लोकसभा चुनाव का माहौल बनता ही चला जा रहा है। वास्तव में यह भारतीय लोकतंत्र का सबसे महत्वपूर्ण और खासमखास उत्सव भी है। इस उत्सव में इसबार 86 करोड़ मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग कर सकेंगे। इनमें 47 करोड़ महिला वोटर होंगी। इस उत्सव में देश के 28 राज्य और नौ केंद्र शासित शामिल होंगे। लोकसभा चुनावों को सफलता पूर्वक करवाने की जिम्मेदारी डेढ़ करोड़ सरकारी अफसरों पर होगी। करीब सवा करोड़ मतदान केन्द्रों में जाकर मतदाता देश के 543 लोकसभा सांसदों का चुनाव करेंगे। यह सब आंकड़ें गवाह हैं कि भारत से बड़ा और व्यापक संसदीय चुनाव विश्व भर में कहीं और नहीं होता। बहरहाल, भारत में अब तक लोकसभा के 17 चुनाव हो चुके हैं। पहली लोकसभा के चुनाव 25 अक्टूबर 1951 से 21 फरवरी 1952 के बीच कराए गए थे। उस समय लोकसभा में कुल 489 सीटें थीं। लेकिन, संसदीय क्षेत्रों की संख्या 401 थी। लोकसभा की 314 संसदीय सीटें ऐसी थीं जहां से सिर्फ एक–एक प्रतिनिधि चुने जाने थे। वहीं 86 संसदीय सीटें ऐसी थी जिनमें दो–दो लोगों को सांसद चुना जाना था। वहीं नॉर्थ बंगाल संसदीय क्षेत्र से तीन सांसद चुने गए थे। किसी संसदीय क्षेत्र में एक से अधिक सदस्य चुनने की यह व्यवस्था 1957 तक जारी रही। आगामी लोकसभा चुनाव में भाजपा के नेतृत्व वाले एनडीए गठबंधन के सामने कांग्रेस के नेतृत्व वाला आई. एन.डी.आई.ए. के नाम से कई राजनीतिक दलों का एक समूह होगा। ऐसी उम्मीद की जा रही है कि दो महत्वपूर्ण क्षेत्रीय दल,ओडिसा में बीजद और पॅजाब में अकाली दल अकेले ही चुनाव लड़ेंगे। बहरहाल, हर बार की तरह से चुनाव कराने की जिम्मेदारी रिटर्निंग अधिकारियों की होगी। हरेक संसदीय क्षेत्र के लिए एक रिटर्निंग अधिकारी नियुक्त होता है। आमतौर पर, जिला मजिस्ट्रेट (डीएम) अपने जिले के एक या एक से अधिक सॅसदीय क्षेत्रों के लिये रिटर्निंग ऑफिसर होता है! लेकिन, बहुत से ऐसे सॅसदीय क्षेत्र ऐसे भी होते हैं जो दो या तीन छोटे जिले में बॅटे होते हैं, जिनमें रिटर्निंग ऑफिसर पड़ोसी जिले से भी नियुक्त हो सकता है। फिर, चुनावों पर पर्यवेक्षकों की नजर भी रहती है। केंद्रीय सशस्त्र पुलिस के लाखों कर्मियों के साथ–साथ स्थानीय पुलिस मिलकर चुनाव की प्रक्रिया को पूरा करवाते हैं। अगर हम इतिहास के पन्नों को खंगाले तो पाते हैं कि संविधान सभा ने नवंबर 1949 में देश चुनाव आयोग की स्थापना को अधिसूचित किया था, और अगले वर्ष मार्च में, भारतीय सिविल सेवा (आईसीएस) के अफसर श्री सुकुमार सेन को भारत का पहला मुख्य चुनाव आयुक्त नियुक्त किया गया। वे पश्चिम बंगाल के तत्कालीन मुख्य सचिव रहे थे। सुकुमार सेन की ही देखरेख में देश का पहला लोकसभा चुनाव संपन्न हुआ था। वे 21 मार्च 1950 से 19 दिसंबर 1958 तक भारत के पहले मुख्य चुनाव आयुक्त रहे। उन्होंने ही स्वतंत्र भारत के पहले दो आम चुनाव, 1951–52 और 1957 को सम्पन्न करवाया था। उन्होंने 1953 में सूडान में पहले मुख्य चुनाव आयुक्त के रूप में भी कार्य किया था। उनकी शिक्षा प्रेसीडेंसी कॉलेज, कोलकाता और लंदन विश्वविद्यालय में हुई थी। बाद में उन्हें गणित में स्वर्ण पदक से सम्मानित किया गया। 1921 में, सेन भारतीय सिविल सेवा में शामिल हुए , और एक आईसीएस अधिकारी और न्यायाधीश के रूप में विभिन्न जिलों में कार्य किया। 1947 में, उन्हें पश्चिम बंगाल का मुख्य सचिव नियुक्त किया गया। पहले आम चुनाव में 21 या उससे अधिक उम्र के करीब 18 करोड़ मतदाता थे पूरे देश में। इनमें से लगभग 85 प्रतिशत पढ़ या लिख नहीं सकते थे। प्रत्येक मतदाता की पहचान, नाम और पंजीकरण किया जाना था। मतदाताओं का यह पंजीकरण महज पहला कदम था। फिर, मतदान केंद्रों को उचित दूरी पर बनाया जाना था, और ईमानदार और कुशल मतदान अधिकारियों की भर्ती की जानी थी। यह सब काम सुकुमार सेन के नेतृत्व में चुनाव आयोग कर रहा था। इस बीच, 24 फरवरी और 14 मार्च 1957 के बीच हुए दूसरे चुनाव के दौरान भी सुकुमार सेन मुख्य चुनाव आयुक्त बने रहे। लोकसभा के दूसरे चुनाव में बिहार के बेगुसराय जिले में बूथ कैप्चरिंग की पहली घटना भी देखी गई। यह भूमिहार बहुल बेल्ट थी, और इस क्षेत्र में कम्युनिस्ट पार्टी का गढ़ भी माना जाता था। हालांकि 1989 में ही श्बूथ कैप्चरिंगश शब्द को औपचारिक रूप से परिभाषित किया गया था और इसके लिए दंड भी निर्धारित किए गए थे। 1970 और 1980 के दशक तक, बूथ कैप्चरिंग उत्तर प्रदेश, बिहार और पश्चिम बंगाल में काफी प्रचलित हो गई थी, हालाँकि भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी) ने श्बूथ प्रबंधनश नामक एक चीज का अभ्यास किया था, जिसमें इनके कैडर के कार्यकर्ता एक लाइन में खड़े होकर मतदान करते थे। यह मानना होगा कि पहले चुनाव आयुक्त के रूप में जिस परंपरा को सुकुमार सेन ने शुरू किया था उसे आगे लेकर जाने वाले कुशल चुनाव आयुक्तों में टी.एन.शेषन ने सबसे अग्रणी भूमिका निभाई थी। आज भी बुद्धिजीवी समाज वाले तो यही कहते हैं कि अगर टी. एन. शेषन भारत के मुख्य चुनाव आयुक्त न बनते, तो देश में चुनावों के नाम पर धोखाधड़ी और धांधली का आलम जारी ही रहता। उन्होंने 1990 के दशक में चुनाव आयोग के प्रमुख पद पर रहते हुए चुनाव सुधारों को सख्ती से लागू करने का अभियान शुरु किया।

सरकारी योजनाओं से जागरूक नहीं ग्रामीण

संगीता

राजस्थान राजस्थान का एतिहासिक उदयपुर शहर झीलों की नगरी के नाम से भी प्रसिद्ध है. जहां सालों भर देश और दुनिया के पर्यटकों का जमावड़ा लगा रहता है. यहां कि सुंदरता की मिसाल इसी से लगाई जा सकती है कि दुनिया के बड़े बड़े उद्योगपति और फिल्मी सितारे वेडिंग स्थल के रूप में इसी शहर का चुनाव करते हैं. इसलिए इस शहर की भव्यता और सुंदरता देखते ही बनती है. लेकिन इसी शहर से मात्र चार किमी की दूरी पर बसा है मनोहर पुरा गांव. अनुसूचित जाति बहुल इस गांव की आबादी लगभग एक हजार है और साक्षरता की दर करीब पचास प्रतिशत है. शहर से करीब होने के बावजूद इस गांव की अधिकतर आबादी विभिन्न सरकारी योजनाओं से वंचित है. वर्तमान में राजस्थान सरकार द्वारा राज्य को मॉडल्स्टेट बनाने के प्रयास किये जा रहे हैं. जिसके अंतर्गत सरकार द्वारा कई जनकल्याणकारी योजनाएं शुरू की गई हैं. इसके अतिरिक्त केंद्र द्वारा संचालित योजनाओं को भी धरातल पर शत प्रतिशत लागू करना है. इन सब का अंतिम लक्ष्य राजस्थान की जनता को सामाजिक सुरक्षा प्रदान करना है. ऐसे में सरकार प्रधानमंत्री आवास योजना, प्रधानमंत्री बीमा सुरक्षा योजना, लकड़ी और धुएं वाले चूल्हे से महिलाओं को मुक्ति दिलाने के लिए उज्ज्वला योजना तथा शिक्षा, कृषि और चिकित्सा जैसे सुरक्षा की कई योजनाओं को धरातल पर लागू करने के लिए प्रयासरत है. परंतु इसके बावजूद इनमें से कई ऐसी योजनाएं हैं जिसका लाभ मनोहर पुरा गांव की जनता को नहीं मिल पा रहा है. इस संबंध में गाँव की एक बुजुर्ग महिला नंदू बाई बताती हैं कि वह पिछले 40 वर्षों से इसी गाँव में रहती आई हैं. पिछले वर्ष उनके पति का स्वर्गवास हो गया. वह एक वर्ष से विधवा पेंशन के लिए दौड़ धूप कर रही हैं. परंतु जागरूकता के अभाव में वह विभाग से अपनी पेंशन शुरू करवाने में असफल रही हैं. नंदू बाई बताती हैं कि इस सिलसिले में वह कई बार ई–मित्र से भी मिल चुकी हैं, लेकिन वह भी उनके आवेदन को गंभीरता से नहीं लेता है और उसे अप्लाई करने में रुचि नहीं दिखाता है. हालांकि नंदू बाई बताती हैं कि यह काम प्रशासन का है कि वह उन जैसे बुजुर्गों के पेंशन की व्यवस्था करे, लेकिन उनकी कहीं कोई सुनवाई नहीं हो रही है. इतना ही नहीं, मनरेगा गारंटी योजना से भी ग्रामीण जागरूक नहीं हैं. कई ऐसे ग्रामीण हैं जिनके पास जॉब कार्ड तो बना हुआ है, लेकिन आज तक उन्हें मनरेगा से कभी काम नहीं मिला है. हालांकि सरकार की ओर से ऐसी व्यवस्था की गई है कि इसके तहत कोई भी ग्रामीण पंचायत से फॉर्म 6 भरकर काम मांग सकता है. लेकिन इन ग्रामीणों को ऐसी किसी प्रकार की जानकारी तक नहीं है. इसका सबसे अधिक नुकसान महिलाओं को हो रहा है. मनरेगा से काम नहीं मिलने के कारण पुरुष काम की तलाश में शहर या अन्य राज्यों की तरफ पलायन कर जाते हैं, लेकिन महिलाओं को घर की देखभाल के कारण गाँव में ही रुकना पड़ता है. ऐसे में गाँव की अनेक महिलाएं घर की आर्थिक स्थिति को बेहतर बनाने के लिए शहर के बड़े घरों में झाड़ू पोंछा लगाने का काम करने को मजबूर हैं. इस संबंध में गाँव की एक 32 वर्षीय महिला जानकी देवी कहती हैं कि उनके पति और उन्होंने कई वर्ष पहले मनरेगा के तहत जॉब कार्ड बनवाया था, लेकिन आज तक उन्हें कोई काम नहीं मिला है. इस संबंध में वह कई बार पंचायत कार्यालय भी गई लेकिन सिवाय आश्वासन के कुछ भी नहीं मिला. वह कहती हैं कि गाँव में अनुसूचित जाति की संख्या अधिक है और वह स्वयं इसी जाति से हैं. इनकी जाति के कई लोगों को मनरेगा के तहत काम मिल चुका है, लेकिन उन्हें या उनके पति को आज तक काम नहीं मिला. उन्हीं की जाति की एक अन्य महिला शांति बाई नाराजगी के साथ कहती हैं कि मनोहर पुरा गाँव में कई बुनियादी आवश्यकताओं की कमी है. सबसे अधिक लोगों को रोजगार की जरूरत है. इसके लिए पुरुष और युवा गांव से पलायन कर रहे हैं. चुनाव के समय सभी दलों के नेता आकर सब कमी को दूर करने का आश्वासन देते हैं. लेकिन चुनाव के बाद कोई नेता पलट कर इस गाँव में नहीं आता है. शांति बाई कहती हैं कि जिन लोगों की पहुँच राजनीतिक दलों या विभाग से होती है वह सभी योजनाओं का लाभ उठा लेते हैं, लेकिन हमारे जैसे लोग नहीं जानते हैं कि प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ प्राप्त करने के लिए कहां और कैसे आवेदन करनी है? कोई हमारा मार्गदर्शन करने को तैयार नहीं होता है. कई ऐसे लोग हैं जिनके पास आज तक उनका आधार कार्ड नहीं बना है, जिसके कारण वह किसी प्रकार को योजनाओं का लाभ प्राप्त करने से वंचित हैं. उन्होंने बताया कि गाँव में एक 65 वर्षीय बुजुर्ग महिला प्यारी देवी अकेले रहती हैं. इस बुढ़ापे में उनका कोई नहीं है. वह कहीं काम करने में भी अक्षम हैं. ऐसे में उनके लिए वृद्धा पेंशन कारगर सिद्ध हो सकता है. लेकिन आधार कार्ड नहीं बने होने के कारण वह इसका लाभ उठाने से आज तक वंचित हैं. सिर्फ मनोहर पुरा गाँव के स्थाई निवासी ही नहीं बल्कि काम की तलाश में 10 वर्ष पूर्व बिहार से आकर यहां बसा कई परिवार ऐसा है।

लोकतंत्र के शुभ को आहत करने वाले अपराधी नेता

ललित

आपराधिक छवि वाले या जघन्य अपराधों में लिप्त लोगों को राजनीति दलों का संरक्षण मिलना भारतीय लोकतंत्र की बड़ी विडम्बना है। तृणमूल कांग्रेस के नेता शाहजहां शेख को संदेशखाली हिंसा, जमीन घोटाले, स्कूल घोटाले, देह व्यापार के धंधे व यौन उत्पीड़न के आरोप में आखिर सीबीआइ के सुपुर्द कर दिया गया। लोकतंत्र की दुहाई देने वाली पश्चिम बंगाल की ममता बनर्जी सरकार लगातार अदालती आदेशों की धज्जियां उडाती रही, ममता ने शाहजहां शेख को सीबीआइ को सुपुर्द करने के मामले में जो गैरजिम्मेदाराना एवं अलोकतांत्रिक रवैया अपनाया वह आश्चर्यजनक और चिंताजनक है। यह कैसी विवशता है राजनीतिक दलों की? अक्सर राजनीति को अपराध मुक्त करने के दावे की हकीकत ऐसे ही अवसरों पर सामने आती है। कलकत्ता उच्च न्यायालय के दुबारा आदेश के बावजूद संदेशखाली मामले के आरोपी को सीबीआइ के सुपुर्द करने में देरी होना न केवल समझ से परे है बल्कि यह लोकतंत्र एवं न्याय व्यवस्था की अवमानना है। इस पूरे प्रकरण से राजनीति समझ में आती है जो एक आरोपी को लेकर हो रही है। लोकसभा चुनाव आने वाले हैं और राज्य में भारतीय जनता पार्टी और तृणमूल कांग्रेस शेख के मामले को एक राजनैतिक मुद्दा बनाने पर तुले हुए हैं। आज भारत की आजादी का अमृत महोत्सव की परिसम्पन्नता पर एक बड़ा प्रश्न है भारत की राजनीति को अपराध मुक्त बनाने का। यह बेवजह नहीं है कि देशभर में अपराधी तत्त्वों के राजनीति में बढ़ते दखल ने एक ऐसी समस्या खड़ी कर दी है कि शेख पर गंभीर आरोपों के बावजूद ममता सरकार उसे बचाने में लगी रही। शेख अपने इलाके संदेशखाली में महिलाओं का उत्पीड़न करता था और देह व्यापार के धंधे में भी संलग्न था। ये आरोप गंभीर हैं जिनकी गहनता से जांच होनी चाहिए। मगर हो यह रहा है कि राज्य सरकार शेख की रक्षा में नजर आ रही है और भाजपा लगातार आक्रमण कर रही है। विडम्बना यह है कि शाहजहां शेख कोई समाजसेवी न होकर वर्तमान दौर का मुनाफेबाज नेता, व्यभिचारी, हिंसा एवं अराजकता फैलाने का आरोपी है। वैसे तो ममता दीदी की सरकार में कई घोटाले हुए हैं मगर स्कूल घोटाले में शाहजहां शेख का नाम आने पर प्रवर्तन निदेशालय ने उसके खिलाफ जब जांच शुरू की तो हंगामा बरपा हो गया। प्रवर्तन निदेशालय की टीम विगत जनवरी माह के पहले सप्ताह में जब शाहजहां शेख के यहां संदेशखाली पहुंची तो स्थानीय तृणमूल कार्यकर्ताओं ने उस टीम पर हमला बोल दिया। इनमें अधिसंख्य शेख के समर्थक ही थे। तृणमूल कांग्रेस एवं उनके नेताओं पर लगे गंभीर आरोपों के बाद एक बार फिर इस सवाल ने जोर पकड़ा है कि जो लोग राजनीति को अपराधीकरण से मुक्त बनाने की बात करते हैं, वे हर बार मौका मिलने पर अपने संकल्प एवं बेदाग राजनीति के दावों से पीछे क्यों हट जाते हैं? तृणमूल कांग्रेस में शेख जैसे नेताओं की कमी नहीं हैं। संदेशखाली से महिलाओं के यौन उत्पीड़न और जमीनों के कब्जे को लेकर आ रही खबरें डराने वाली हैं। इन खबरों में कितनी सच्चाई है, इसका फैसला तो अदालत ही करेगी। तो फिर आरोपी को बचाने के लिए पश्चिम बंगाल सरकार एड़ी–चोटी का जोर क्यों लगाती रही? यहां सवाल तृणमूल कांग्रेस और भारतीय जनता पार्टी का अथवा किसी अन्य दल का नहीं है। सवाल है, महिलाओं की अस्मिता से खेलने के आरोपियों को सजा दिलाने का। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री स्वयं महिला हैं और उन्होंने एक महिला के अस्तित्व एवं अस्मिता को नौंचने वाले नेता को क्यों राजनीतिक संरक्षण दिया? आज राजनीति की दशा बदतर है कि यहां जनता के दिलों पर राज करने के लिये नेता अपराध, भ्रष्टाचार एवं चरित्रहीनता का सहारा लेते हैं। जातिवाद, प्रांतवाद, साम्प्रदायिकता को आधार बनाकर जनता को तोड़ने की कोशिशें होती है। पर हम कितना भ्रम पालते हैं। पहचान चरित्र के बिना नहीं बनती। बाकी सब अस्थायी है। चरित्र एक साधना है, तपस्या है। जिस प्रकार अहं का पेट बड़ा होता है, उसे रोज कुछ न कुछ चाहिए। उसी प्रकार राजनीतिक चरित्र को रोज संरक्षण चाहिए और यह सब दृढ़ मनोबल, साफ छवि, ईमानदारी एवं अपराध–मुक्ति से ही प्राप्त किया जा सकता है। लेकिन बड़ा सवाल है कि कब मुक्ति मिलेगी शेख जैसे अपराधी तत्वों से राष्ट्र को? राजनीति में चरित्र–नैतिकता सम्पन्न नेता ही रेस्पेक्टेबल (सम्माननीय) हो और वही एक्सेप्टेबल (स्वीकार्य) हो। राजनीतिक दलों के बीच टकराव समझ में आता है, लेकिन सरकार में बैठे लोगों से उम्मीद की जाती है कि वे कार्यकर्ताओं और अपराधियों के बीच के फासले को समझें। चंद वोटों की खातिर देश के अलग–अलग हिस्सों में अपराधियों को शह देने के नतीजे सामने आते रहे हैं। अपराधी का न कोई धर्म देखा जाना चाहिए और न ही विचारधारा। कानून को अपना काम करने देना चाहिए, तभी लोकतंत्र की सार्थकता है। यह अजीब स्थिति है कि अक्सर साफ–सुथरी और ईमानदार सरकार देने के दावों के बीच आपराधिक छवि के लोगों को उच्च पद देने या अपने दल का नेता बनाने का सवाल उभर जाता है। सवाल है कि क्या ममता अपने ही दावों को लेकर वास्तव में गंभीर हैं? ऐसे जिम्मेदार राजनेता अपने दावों से पीछे हटेंगे तो राजनीति को कौन नैतिक संरक्षण देगा? हम ऐसे चरित्रहीन एवं अपराधी तत्वों को जिम्मेदारी के पद देकर कैसे स्वस्थ राजनीति मूल्यों को स्थापित करेंगे? कैसे आम जनता के विश्वास पर खरे उतरेंगे? इस तरह अपराधी तत्वों को महिमामंडित करने के बाद ममता के दावों एवं लम्बे संघर्षों की क्या विश्वसनीयता धूमिल नहीं हो जायेगी? केवल सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) शेख को छह साल के लिए पार्टी से बाहर का रास्ता दिखा कर अपनी पार्टी की अपराध–छवि को ढक नहीं सकती। आज जिस तरह से हमारा राष्ट्रीय जीवन और सोच विकृत हुए हैं, हमारी राजनीति स्वार्थी एवं संकीर्ण बनी है, हमारा व्यवहार झूठा हुआ है, चेहरों से ज्यादा नकाबें ओढ़ रखी हैं, उसने हमारे सभी मूल्यों को धराशायी कर दिया। राष्ट्र के करोड़ों निवासी देश के भविष्य को लेकर चिन्ता और ऊहापोह में हैं। वक्त आ गया है जब देश की संस्कृति, गौरवशाली विरासत को सुरक्षित रखने के लिए कुछ शिखर के व्यक्तियों को भागीरथी प्रयास करना होगा। दिशाशून्य हुए नेतृत्व वर्ग के सामने नया मापदण्ड रखना होगा।

अनुशासन ही सफल प्रबंधन का मूल मंत्र - प्रो.वन्दना सिंह

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के व्यवसाय

प्रबंधन विभाग में फ्रेशर्स ओरिएण्टशन प्रोग्राम का आयोजन किया गया स इसमें एम. बी.ए, एग्रीबिजनेस, ई कॉमर्स एवं बी. बी.ए के नवीन छात्रों को विश्व विद्यालय में स्वागत किया गया एवं उन्हें विश्वविद्यालय के पाठ्यक्रम प्रकिया के बारे में जानकारी दी गई। उद्घाटन समारोह में कुलपति प्रोफेसर वन्दना सिंह के कहा कि प्रबंधन विद्यार्थियों को अपने करियर और जीवन में आगे बढ़ने के लिए अनुशासन ही मूल मन्त्र है। किसी भी संस्थान की उद्देश्य पूरे करने के लिए निरंतर प्रयास एवं दृढ इच्छा से ही प्रबंधन के छात्रों अपने लक्ष्य प्राप्त कर सकते है स कुलपति ने एलान किया कि आगामी सत्र में विश्वविद्यालय में एग्री बिजनेस से जुडी वोकेशनल पाठ्यक्रम , उद्योग जगत से गठबंधन एवं प्रैक्टिकल ट्रेनिंग कि व्यवस्था की जाएगी, जिससे छात्रों को रोजगार के अवसर बढ़ेंगे। इस अवसर पर व्यवसाय प्रबंध विभाग के विभाग अध्यक्ष प्रोफेसर मुराद अली ने कहा कि प्रतिस्पर्धा के युग में छात्रों को उनके मूल्य एवं संस्कार ही आगे बढ़ाएंगे। सीनियर्स और जूनियर्स से अच्छे सम्बन्ध बना कर रखना चाहिए जिससे आगे चलकर उनके करियर में भी मददगार होगी। छात्रों ने कुलपति को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। कार्यक्रम के अंत में छात्रों द्वारा रंगारंग कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया। संचालन समन परवीन ने किया एवं धन्यवाद ज्ञापन मोहम्मद अब्बास ने किया स इस अवसर पर आकाश मिश्रा, अमीर आलम ,शिवम् सिंह, अनीस, अदिति, फैजान, आदित्य सिंह,सुभांग मिश्रा आदि उपस्थित रहे।

महाशिव बारात में लाखों भक्त बारात में सम्मिलित हुए

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। श्री कल्याणगिरि मंदिर ठाकुरगंज में महाशिवरात्रि के अवसर पर आयोजित महाशिव बारात में लाखों भक्त बारात में सम्मिलित हुए।प्रातः काल में पाँच बजे मंगला

आरती के पश्चात हजारों भक्तों ने मंदिर में दर्शन किए तत्पश्चात् श्री शिव महापुराण के अंतिम दिन तीन घंटे की कथा के बाद कथा समापन हुआ अपराह्न 2 बजे श्री शिव महाबारात का प्रारंभ हजारों मातायें सिर पर कलश रखकर हरदोई रोड पर निकली तो ऐसा लगा कि जैसे श्रद्धा का सैलाब सड़क पर उमड़ आया हो विराट शिवलिंग उनके पीछे चल रहा था उसके पीछे भारतीय पुरातन लोक रीति से चली आ रही लिल्लीघोड़ी मोरबीन आदि चल रही थी उसके पीछे महाकाली औघड आदि के स्वरूप चल रहे थे उसके पीछे घोड़े हांथी ऊँट आदि थे रिक्शों व ट्रकों डीसीएम ट्रॉली पर सजी झाकियाँ चल रही थी उत्तर प्रदेश के पूर्व उप मुख्यमंत्री व राज्यसभा के सदस्य डॉ दिनेश शर्मा जी खुली जीप पर चल रहे थे दस फिट ऊँचा शिवलिंग अगिया बैताल व विभिन्न देवी देवताओं राक्षस भूत पिशाच वानर शिव जी के स्वरूप थे दो बजे से चली बरात पाँच घंटे बाद मंदिर पहुँची जहां आरती के बाद कार्यक्रम का समापन हुआ। रात्रि आठ बजे विशेष शिव आरती का आयोजन किया गया।

मोदी जी की गारंटी ने भारत को दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था के रूप में स्थापित किया - योगी आदित्यनाथ

900 करोड़ की 256 परियोजनाओं का मुख्यमंत्री ने किया लोकार्पण और शिलान्यास – सीएम योगी

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। सूबे के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को जौनपुर में वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप की मूर्ति का अनावरण किया तत्पश्चात वह सीधे बीआरपी इंटर कॉलेज के मैदान में पहुंचे जहां उन्होंने एक लाभार्थी सम्मेलन को संबोधित किया। मंच से उन्होंने छात्र–छात्राओं को लैपटॉप मोबाइल व प्रधानमंत्री आवास योजना से आच्छादित लोगों को घर की चाबियां किसानों को ट्रैक्टर की चाबी दिया इसके साथ ही आयुष्मान भारत के लाभार्थियों को चेक प्रदान किया साथ ही उन्होंने मंच से बटन दबाकर जिले की लगभग 900 करोड़ की 256 विभिन्न परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास भी किया।

इससे पूर्व मंच पर उपस्थित तमाम नेताओं व जनप्रतिनिधियों ने उनका स्वागत और सम्मान किया।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लाभार्थि सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि पूर्व में भी मैं नगर पालिका परिषद के चुनाव में आया था और आप लोगों ने जीत दर्ज करा कर जनपद में ट्रिपल इंजन की सरकार को मजबूती प्रदान किया था। मोदी की गारंटी ने भारत को दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था के रूप में स्थापित किया है यह नए भारत का निर्माण हो रहा है।

मैं वीरों की इस धरती पर आप सभी का अभिनंदन करता हूं पूर्व की सरकारों में जय श्री राम का नारा लगाने पर लाठियां बरसाई जाती थी और हम लोग अब जय श्री राम का नारा लगाने वालों को भगवान श्री राम का दर्शन कर रहे हैं आज मोदी जी की डबल इंजन की सरकार के कारण भारत में एक बार फिर से रामराज की स्थापना हुई और विराट विशाल भव्य राम मंदिर बनाकर अयोध्या में तैयार हुआ है। वह दूसरी तरफ काशी में भी काशी विश्वनाथ कॉरिडोर बनाकर लोगों को दर्शन करने का काम हम कर रहे हैं। वहीं पूर्ववर्ती सरकार में

लगातार राम भक्तों पर गोलियां बरसाने का काम किया है ।

उन्होंने वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप की वीर गाथाओं का भी जिक्र किया और कहा कि महाराणा प्रताप ने घास की रोटी को खाना स्वीकार किया लेकिन कभी भी विदेशी आक्रांताओं के सामने फिरंगियों के सामने घुटने नहीं टेके। और उन्होंने उसे लड़ते हुए अपने तमाम राज्यों को भी वापस लाकर भारत का गौरव बढ़ाया। उन्होंने कहा कि देश की सुरक्षा व्यवस्था के साथ कहीं भी किसी को खिलवाड़ करने का हक नहीं है जो भी सुरक्षा के साथ खिलवाड़ करेगा उसे उसकी भरपाई करनी होगी। बाल योजना के तहत तमाम ऐसी बच्चों को जिनके माता–पिता कोविद कल में नहीं रहे उनको पढ़ने लिखने की उत्तम व्यवस्था की जा रही है और इसके लिए अलग से विद्यालय भी खोले जा रहे हैं। जौनपुर में मेडिकल कॉलेज और विश्वविद्यालय का सपना था जो आज हकीकत बन चुका है और बेहतर ढंग से काम भी कर रहा है। उन्होंने कहा कि जौनपुर की धरती परिश्रम और पुरुषार्थियों की धरती है यहां आदि गंगा गोमती का आशीर्वाद सबको मिलता रहता है। लोगों ने अपने परिश्रम से जौनपुर को पहचान दिलाई है यहां की इत्र और इमरती भी पूरे देश में विश्व प्रसिद्ध है यहां के लोगों ने अपनी प्रतिभा के बल से पूरे देश में लोहा बनवाया है चाहे वह शिक्षा के क्षेत्र में हो चाहे वह वैज्ञानिक के क्षेत्र में हो वह किसी भी क्षेत्र में हो यहां के लोगों ने अपने परिश्रम के बल पर पूरे देश में पूरे विश्व में लोहा मनवाया है।

उन्होंने जौनपुर के लोकसभा प्रत्याशी के लिए भी लोगों से एक बार फिर कमल खिलाने की अपील किया उन्होंने कहा कि यदि कमल खिलेगा तो लक्ष्मी की वर्षा होगी और जौनपुर में काफी विकास किया जाएगा जैसे पूर्व में आपने हमारे हाथ को मजबूत किया ।इस बार भी आप यहां कमल का फूल खिलाये जिससे कि जौनपुर का विकास तेजी किया जा सके। विपक्षियों पर हमलावर होते हुए उन्होंने कहा कि जहां लोग भगवान के जलाभिषेक के लिए भी रोक लगाते थे वही आज हम उन लोगों पर पुष्प वर्षा भी करवाते हैं और उनके सुरक्षा का भी पूरा ध्यान रखते हैं। उन्होंने कहा कि विकास का लाभ बिना किसी भेदभाव के सभी को मिल रहा है अब हमारा एक ही संकल्प होना चाहिए 2024 एक बार फिर मोदी सरकार मोदी जी की सरकार के लिए घर–घर कमल खिलाना होगा। उन्होंने विपक्ष पर हमला करते हुए कहा कि लोग सिर्फ अपने परिवार के बारे में सोचते हैं वह परिवारवाद से उबार नहीं पाते सिर्फ अपने परिवार के बारे में ही सोचते हैं। इस मौके पर राज्य मंत्री गिरी चंद यादव जिला अध्यक्ष पुष्पराज सिंह राजसभा सांसद सीमा द्विवेदी बदलापुर विधायक रमेश मिश्रा शाहगंज विधायक रमेश सिंह सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

आत्मशक्ति, अनंत सामर्थ्य व शिवत्व की अनुभूति का दिव्य पर्व है महाशिवरात्रि - आचार्य अशोक

हरदोई (अम्बरीष कुमार सक्सेना) शिव सत्संग मण्डल के महाशिवरात्रि महोत्सव में मंडलाध यक्ष आचार्य अशोक ने कहा कि ज्ञान और शुभ संकल्पों के आह्वान द्वारा अपनी आत्मशक्ति, अनंत सामर्थ्य व शिवत्व की अनुभूति का दिव्य पर्व महाशिवरात्रि है। ग्राम हुसेनापुर धौकल स्थित शिव सत्संग मण्डल आश्रम पर आए हुए श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि विचार, विवेक और ज्ञान के अभ्यास के अभाव के कारण ही मनुष्य व्यथित, पीड़ित और चिंतित अनुभव करता है। आओ महाशिवरात्रि की इस महनीय बेला में जप ध्यान अभिषेक, उपासना, आत्मानुशासन एवं ऐंद्रिक संयम द्वारा अपने शाश्वत स्वरूप के बोध ा, अंतस् में समाहित अनन्त ऊर्जा और दिव्यता को उजागर करें । लखनऊ मंडल के अध्यक्ष राजेश पाण्डेय ने कहा महाशिवरात्रि शिव उपासना का महापर्व एवं सकारात्मक ऊर्जा का स्रोत है।कहा कि देवाधिदेव भगवान शिव के समस्त भारत में जितने मंदिर अथवा तीर्थ स्थान हैं, उतने अन्य किसी के नहीं। आज भी समूचे देश में उनकी पूजा–उपासना व्यापक स्तर पर होती है। महाशिवरात्रि को भगवान शिव का सबसे पवित्र दिन माना गया है, जो सकारात्मक ऊर्जा का स्रोत भी है। समाजसेवी डॉ एम एल गुप्ता ने कहा कि शिव सत्संग मण्डल द्वारा प्रतिभाओं को सम्मानित करना वास्तव में सराहनीय है। व्यवस्थापक यमुना प्रसाद ने कहा कि धर्म पर जो चला वह उन्नति की ओर बढ़ा। ध यान और भजन से मनुष्य एक बेहतर इंसान बनता है। अटूट श्रद्धा और विश्वास से भगवान भोलेनाथ प्रसन्न होते हैं। मण्डल के राष्ट्रीय महामंत्री त्रिपुरेश पाण्डेय ने बताया कि महाशिवरात्रि को ऋषियों की आत्मबोध रात्रि के रूप में परिभाषित किया गया है। महाशिवरात्रि यानि महान कल्याण की रात्रि।इस रात्रि में ही स्वामी दयानंद सरस्वती,स्वामी विवेकानंद, आद्य शंकराचार्य,महात्मा बुद्ध तथा अन्यान्य संतों ने ईश्वर का साक्षात्कार किया। रविलाल सत्संगी ने बताया कि संसार में जिसका कोई आश्रय दाता नहीं,उसके आश्रयदाता भगवान भोलेनाथ हैं।

बरेली न्यायालय में सेवारत रवि वर्मा ने कहा कि यह आत्मज्ञान की रात्रि है।शिव का स्मरण करने मात्र से दिव्य चेतना उत्पन्न होती है।

लखीमपुर के जिलाध्यक्ष जमुना प्रसाद ने कहा पर्वों का महापर्व महाशिवरात्रि है।शिव स्तुति करने से मन

में प्रसन्नता की लहर दौड़ जाती है। आध्यात्मिक शक्तियों से स्व परिवर्तन

के साथ साथ वैश्विक परिवर्तन संभव हो जाता है। परमात्मा का प्रकाशस्वरूप

से ध्यान करने मात्र से जीवन में अलौकिक बदलाव आता है।

शाहजहांपुर के जिलाध्यक्ष डॉ कालिका प्रसाद ने ध्यान और भजन से लाभ,जिला महामंत्री रजनीश सक्सेना ने शिव नाम की महिमा,सुदामा देवी ने सत्संग की महिमा,,प्रचारक प्रेम कुमार ने संगठन का महत्व,राम निवास ने भजन करने के उपाय, डॉ रामौतार ने दान का महत्व, योग प्रशिक्षक डॉ संदीप चौरसिया ने ध्यान साध ाना,राज किशोर ने योग का महत्व बताया। नन्हे लाल , सोनपाल ने सत्संग की महिमा का बखान किया।

संयोजक अम्बरीष कुमार सक्सेना एवं मोहित राजपूत के संयुक्त संचालन में हुए इस शिवोत्सव का शुभारंभ सुप्रसिद्ध चिकित्सक डॉ एम एल गुप्ता,भाजपा व्यापार प्रकोष्ठ के जिला संयोजक नवनीत गुप्ता, राजेश पांडेय एवं योग प्रशिक्षक राज किशोर ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर एवं बहिन बेबी ने सामूहिक ईश प्रार्थना से किया। इस अवसर पर योग प्रशिक्षक सत्यम,रोहित वर्मा,राम चन्द्र, श्रीकृष्ण,राज कुमार, साक्षी,नेहा, मोहित, सौम्या ,प्रतिज्ञा ,शिव महिमा,राम नरेश आदि ने प्रेरणादाई भजन सुनाए।

धर्म प्रेरक अम्बरीष कुमार सक्सेना एवं रवि वर्मा के संयुक्त संचालन में हुए इस महाशिवरात्रि महोत्सव में समाजसेवी डॉ एम एल गुप्ता,उमेश गुप्ता,अनुराग श्रीवास्तव, सूक्ष्म,लघु एवं मध्यम उद्यम के चेयरमैन वीरेश श्रीवास्तव के कर कमलों से आकाश वर्मा को फिजियोथेरेपी में उल्लेखनीय योगदान के लिए सम्मानित किया गया। हाई स्कूल में अव्वल रहने वाले छात्र शिव करन, छात्रा रोशनी देवी, लल्ली,रजनी, सोमना एवं अंजली को सम्मानित किया गया।इंटरमीडिएट में उत्तम अंकों से उत्तीर्ण रीता, जूली,शिवानी वर्मा को मेडल आदि से सम्मानित किया गया।स्नातक परीक्षा में प्रथम स्थान प्राप्त सपना वर्मा परस्नातक में प्रथम स्थान प्राप्त छवि सक्सेना को सम्मानित किया गया। इनके अलावा जिला पंचायत सदस्य लालाराम राजपूत को सत्संग क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान करने के लिए सम्मानित किया गया। विशेष अतिथि के रूप में प्रयागराज विश्वविद्यालय की प्रोफेसर डॉ रेनू ने प्रतिभाशाली बच्चों को पुरस्कृत कर प्रोत्साहित किया। इस धार्मिक आयोजन में छायाकार राम बहोरन, देव सिंह,राम निवास, बजरंगबली सिंह, गोपाल त्रिपाठी, प्रभाकर बाजपेई, शिव प्रसाद श्रीवास्तव, राम लखन, जितेंद्र गुप्ता, योगेंद्र यादव, अमोदकांत, संजय अग्निहोत्री, आलोक श्रीवास्तव, कुलदीप श्रीवास्तव, महात्मा शांता नंद सहित सैकड़ों सत्संगी बंधु बहिनें मौजूद रहे।

उत्तर प्रदेश रोडवेज कर्मचारी संघ द्वारा महिला दिवस पर महिला कर्मचारियो का सम्मान

मृत्युंजय प्रताप सिंह

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस व नारी सशक्तिकरण को लेकर आज कैसरबाग डिपो में भारतीय मजदूर संघ के आवाहन पर उत्तर प्रदेश रोडवेज कर्मचारी संघ द्वारा महिला कर्मचारियों का पुष्प भेंट कर सम्मान किया गया तथा जलपान की भी व्यवस्था महिलाओं के सम्मान में की गई इस अवसर पर उत्तर प्रदेश रोडवेज कर्मचारी संघ के क्षेत्रीय मंत्री श्री सुधीर वर्मा जी ने कहा की आदरणीय मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी द्वारा व परिवहन मंत्री जी के द्वारा महिलाओं के सम्मान के लिए उनकी सुरक्षा के लिए तथा उनके उत्थान के लिए अनेकों प्रयास किया जा रहे हैं बेटियों की पढ़ाई के लिए धन की व्यवस्था करना रक्षाबंधन के पावन पर्व पर लगातार अनेक वर्षों से परिवहन निगम की बसों में मुफ्त यात्रा की सुविधा प्रदान करना बेटियों की शादियों के लिए सरकार द्वारा धान की व्यवस्था करना आदि अनेक कार्यक्रम महिलाओं के सम्मान व सुरक्षा के लिए किया जा रहे हैं उत्तर प्रदेश रोडवेज कर्मचारी संघ कैसरबाग डिपो का लखनऊ क्षेत्र अपनी सभी महिला कर्मचारियों का वह सम्मानित यात्रियों का यह सब पावन पर्व पर हृदय से आभार व्यक्त करता है वह सभी महिला साथियों के लिए मंगल की कामना करता है

इस कार्यक्रम में स्टेशन अध

ीक्षक कुमारी स्वाति वाजपेई जी प्रमुख रूप से उपस्थित रहे कार्यक्रम में प्रमुख रूप से क्षेत्रीय मंत्री श्री सुधीर वर्मा आमिर जावेद माखनलाल राजीव नारायण सिंह रुद्र प्रताप सिंह निखिल सिंह अनिल अवस्थी जी आकाश सिंह शाहिद अनेक कर्मचारी उपस्थित रहे कार्यक्रम के अध्यक्षता वरिष्ठ कर्मचारी श्री रामानंद सोनकर जी ने की।

राष्ट्रीय लोक अदालत में कुल 37674 मामलें हुए निस्तारित

राष्ट्रीय लोक अदालत में कुल 37674 मामलें हुए निस्तारित

जौनपुर। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण, नई दिल्ली एवं उ0 प्र0 राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देशानुसार व माननीय जनपद न्यायाधीशध्अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण जौनपुर श्रीमती वाणी रंजन अग्रवाल के मार्गदर्शन एवं कुशल निर्देशन तथा श्री राजेश कुमार राय, अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश प्रथम, नोडल अधिकारी लोक अदालत एवं श्रीमती शिल्पी चतुर्वेदी, सिविल जज सी0डि0/प्रभारी सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधि ाकरण, जौनपुर की देखरेख में जनपद न्यायालय परिसर जौनपुर में 09 मार्च 2024 को राष्ट्रीय लोक अदालत का भव्य आयोजन किया गया। इस अवसर पर श्रीमती वाणी रंजन अग्रवाल, जनपद न्यायाधीश जौनपुर द्वारा मॉ सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्जवलित कर लोक अदालत का शुभारम्भ किया गया। इस अवसर पर प्रधान न्यायाध ीश परिवार न्यायालय, समस्त अपर जनपद न्यायाधीशगण तथा समस्त न्यायिक अधिकारीगण उपस्थित रहे। राष्ट्रीय लोक अदालत में विभिन्न न्यायालयों में लम्बित 5946 एवं राजस्व न्यायालयों तथा प्रशासन के अन्य विभागों में प्रीलिटिगेशन वाद कुल 31728 अर्थात कुल 37674 मामलें निस्तारित हुए तथा समझौता राशि कुल रू0 223896387 रुपये की गई। श्री भूदेव सिंह गौतम, पीठासीन अधिकारी मोटर दुर्घटना दावा न्यायाधिकरण द्वारा क्षतिपूर्ति के 123 मुकदमें लगाये गये जिनमें से 117 मामलों का निस्तारण कराते हुए कुल रू0 7,64,62,000 रुपये की धनराशि क्षतिपूर्ति याचीगण को दिलायी गयी। पारिवारिक न्यायालयो द्वारा 169 मुकदमों को निस्तारित किया गया जिसमें

पीड़िता को मु0 1,84,88,000 रूपये की समझौता राशि प्रदान करायी गयी। न्यायालय विशेष न्यायाधीश ई0सी0एक्ट द्वारा विद्युत से सम्बन्धित कुल 49 वाद निस्तारित किये गये। विभिन्न मजिस्ट्रेट न्यायालयों द्वारा 5,252 शमनीय फौजदारी वादों को निस्तारित किया गया जिनमें रू0 1,59,370 का अर्थदण्ड अधिरोपित किया गया। एन0 आई0 एक्ट के 06 मामलों का निस्तारण कराते हुए समझौता राशि 3,20,692 तथा अन्य प्रकार के 288 मामलों का निस्तारण किया गया जिसमें समझौता राशि रू0 10,12,857 दिलाया गया। सिविल न्यायालय द्वारा कुल 65 मामलों का निस्तारण किया गया जिसमें उत्तराधि ाकार के मामलों में मु0 44,56,830 रूपये का प्रमाण पत्र निर्गत किया गया। प्री–लिटिगेशन स्तर पर जिला प्रशासन के विभिन्न विभागों एवं पुलिस विभाग द्वारा भी मामलों का निस्तारण कराया गया, जिसमें राजस्व न्यायालयों फौजदारी के 1548 वादों, राजस्व के 364 वाद एवं अन्य प्रकार के 28,692 व नगर पालिका द्वारा जलकर से सम्बन्धित 31 वादों, विद्युत बिल से सम्बन्धित 21 वादों मामलों का निस्तारण किया गया। बैंक/फाइनेंस कम्पनी एवं बी0एस0एन0एल0 आदि के रिकवरी से सम्बन्धित 1,080 प्री–लिटिगेशन वाद निस्तारित किये गये तथा जिसमें मु0 12,26,66,936 रुपये का समझौता किया गया। इस प्रकार राष्ट्रीय लोक अदालत में कुल 37674 मामलों का निस्तारण किया गया जिसमें कुल रू0 22,38,96,387 रुपये की धनराशि पर समझौता किया गया।

विश्व किडनी दिवस पर कल्याणजी का तोहफा - डा. एस बी तिवारी कल्याणजी.....

मृत्युंजय प्रताप सिंह

विश्व किडनी दिवस 14 अप्रैल को किडनी के मरीजों में जागरूकता उनके बेहतर देखभाल एवम जागरूकता के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मनाया जाता है। विश्व विख्यात लिम्का बुक रिकॉर्डर हजारों मरीज को किडनी की बीमारी से राहत दिलाकर उन्हें जीवन दान दे चुके डॉ एस बी तिवारी कल्याण जी ने किडनी से ग्रस्त मरीजों के लिए विश्व किडनी दिवस पर बहुत बड़ा तोहफा देने का ऐलान किया है ।उन्होंने बताया की 14 मार्च से 30 मार्च तक किडनी से ग्रसित मरीजों के लिए दवाओं में विशेष छूट एवं ऐसे मरीज जो वास्तविक रूप से कमजोर हैं असहाय हैं उन्हें दवा निशुल्क भी जाएगी। उन्होंने बताया कि आज जिस तरह से किडनी से ग्रसित मरीज अंदर से असहाय एवं असंतोष से भर जाता है क्योंकि एलोपैथिक चिकित्सा पद्धति में जैसे हो वो इलाज के लिए जाता है तो यह कहा जाता है की एक बार किडनी खराब हो गई तो दोबारा दवा से ठीक नहीं हो सकती ! इसका एक ही विकल्प है की डायलिसिस अथवा ट्रांसप्लांट ...!ऐसे में जब इस तरह की बात मरीज के दिलो दिमाग में बैठ जाती है कि अब मैं ठीक नहीं हो पाऊंगा तो कहीं ना कहीं वह घोर निराशा में डूब जाता है ऐसे में होम्योपैथी चिकित्सा पद्धति के द्वारा डॉ तिवारी जी ने हजारों मरीजों को ठीक कर उनको प्रमाण के साथ प्रस्तुत करना एवं उन्हें संबल देना और समय–समय पर ऐसे ही जागरूक कार्यक्रमों के द्वारा उन्हें जीवन जीने की आस पैदा करते रहते हैं। यह निश्चित रूप से अत्यंत ही अनु करनी है ।डॉ तिवारी जी ने बताया कि उनके पास देश ही नहीं विदेश के हजारों लोग जुड़कर के स्वास्थ्य

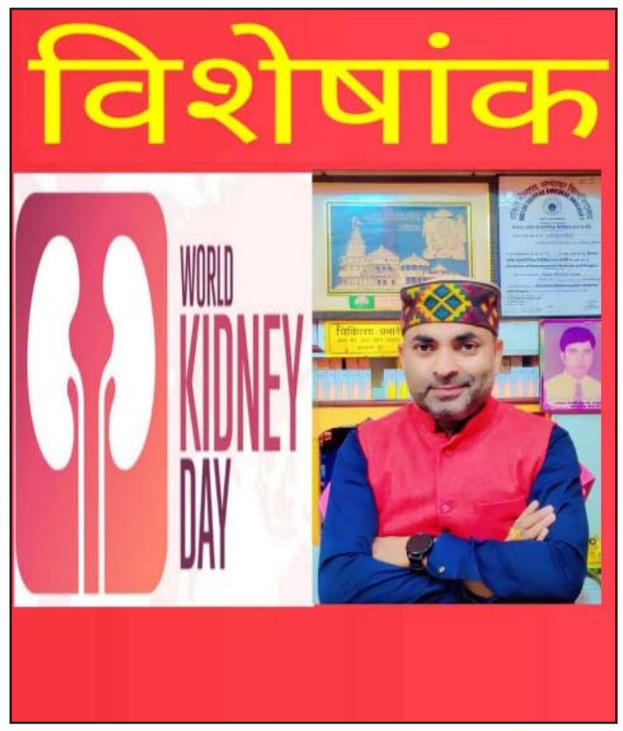

लाभ ले रहे हैं और बिल्कुल अच्छा महसूस कर रहे हैं काफी लोग दवा भी छोड़ चुके हैं और काफी दिनों से उन्हें कोई भी समस्या नहीं आ रही है ।यह कहीं ना कहीं होम्योपैथिक की गहराई को ही दर्शाता है। जहां एक तरफ निराशा वही एक तरफ इतनी साहस भरी आशा ...!चिकित्सा जगत के लिए अत्यन्त सुखद। डा एस बी तिवारी कल्याणजी यथा नाम तथा गुण जिस तरह से समाज को जागरुक करते हैं समाज की सेवा करते हैं दूसरों के लिए भी बहुत बड़ी प्रेरणा ।उन्होंने बताया की अनेकों मैरिज जिनके पास आर्थिक समस्या होती है वह उनकी सेवा निशुल्क करते रहते हैं ।समय–समय से कैंप करके स्वास्थ्य एवं जन कल्याण दिवस मना कर योग शिविर, रक्त दान शिविर आध्यात्मिक जागरूकता अपने कल्याणम सेवा के माध्यम से करते रहते हैं ।25 सालों से लगातार होम्योपैथिक की सेवा एवं जन जन में होम्योपैथिक को पहुंचना ही डॉ कल्याण जी का मुख्य लक्ष्य है। डॉ तिवारी जी ने शासन प्रशासन का ध्यान होम्योपैथी की तरफ आकर्षित करने के लिए शासन से विशेष आग्रह भी किया कि अगर सचमुच में होम्योपैथी में अनुसंधान किए जाएं तो उन करोड़ों किडनी के मरीजों के लिए होम्योपैथी वरदान साबित होगी। आज कहीं ना कहीं होम्योपैथी उपेक्षा की शिकार है शासन स्तर पर इसको उतनी मजबूती नहीं प्रदान की गई है जिसके वजह से इसके अंदर छुपे रहस्यों को आम जनमानस तक नहीं पहुंचाया जा पा रहा है।अगर शासन इस पर ध्यान देता है तो उन्होंने बताया कि वह पूरी तरह से सहयोग करने के लिए सदैव अपनी टीम के साथ तैयार है।

प्रदेश के कर्मचारियों को महंगाई भत्ता की बढ़ोतरी का लाभ देने के लिए मुख्यमंत्री को भेजा पत्र

–केंद्रीय कर्मचारियों का महंगाई भत्ता चार प्रतिशत बढ़ गया है।
–प्रदेश कर्मचारी बढ़े हुए महंगाई भत्ते का लाभ लोकसभा चुनाव से पहले मिलने का कर रहे हैं इंतजार।
–संयुक्त परिषद ने मुख्यमंत्री से किया अनुरोध।

मृत्युंजय प्रताप सिंह

लखनऊ। केन्द्र सरकार ने अपने 55 लाख कर्मचारियों एवं 36 लाख पेंशनर्स का महंगाई भत्ता 46% से बढ़कर 50% कर दिया है। केंद्रीय कर्मचारियों के महंगाई भत्ते में यह बढ़ोतरी 01 जनवरी 2024 से की गई है। राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद उत्तर प्रदेश के अध्यक्ष जे एन तिवारी ने लखनऊ में एक प्रेस विज्ञप्ति में अवगत कराया है कि प्रदेश के कर्मचारियों को केंद्रीय कर्मचारियों की समानता के आधार पर ही महंगाई भत्ता मिलता है। केंद्र सरकार ने अपने कर्मचारियों को लोकसभा चुनाव से पहले महंगाई भत्ते में बढ़ोतरी का तोहफा दिया है, अतः प्रदेश के कर्मचारियों को भी में महगांई भत्ते में बढ़ोतरी का लाभ दिए जाने की की मांग मुख्यमंत्री से की गई है। प्रदेश के कर्मचारियों को अभी तक 46ः की दर से महंगाई भत्ता मिल रहा है। 01 जनवरी 2024 से महंगाई भत्ते में चार प्रतिशत की बढ़ोतरी हो जाने से प्रदेश सरकार के कर्मचारियों का महंगाई भत्ता भी केंद्रीय कर्मचारियों के बराबर 50ः हो जाएगा। संयुक्त परिषद के अध्यक्ष जे एन तिवारी ,महामंत्री अरुणा शुक्ला ने अवगत कराया है कि 01 जनवरी 2024 से महंगाई भत्ते का लाभ प्रदेश के 16 लाख राज्य कर्मचारी एवं 12 लाख पेंशनर्स सहित राज्य निधि से वेतन प्राप्त करनेवाले अधिशासी संकायों एवं राज्य सरकार के प्रतिष्ठानों में कार्यरत संविदा कर्मियों को भी मिलेगा। संयुक्त परिषद ने लोकसभा चुनाव से पहले महंगाई भत्ता दिए जाने का अनुरोध किया है। प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, प्रदेश के कर्मचारियों का बहुत ख्याल रखते हैं और केंद्र सरकार जैसे ही महंगाई भत्ते में बढ़ोतरी का ऐलान करती है, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री देश में सबसे पहले अपने कर्मचारियों को महंगाई भत्ते का लाभ देने का आदेश करते हैं। इस बार भी यही आशा है कि लोकसभा चुनाव की आचार संहिता लगने से पूर्व ही कर्मचारियों एवं पेंशनर्स को बढे हुए महंगाई भत्ते का लाभ जरूर मिल जाएगा।

आपसी भाईचारे के साथ मनाये होली पर्व - एसपी ग्रामीण

पुराने परंपरा के मुताबिक ही पुलिस सम्पन्न कराये होली पर्व

अयोध्या। होली के दौरान अराजक तत्वों द्वारा किसी भी तरह की अप्रिय घटना न उत्पन्न हो इसके लिये पुलिस अभी से रणनीति बनाने में जुटी हुई है।इसके लिए जिले की पुलिस अपने अपने क्षेत्रों में सम्मानित लोगों के साथ शांति समिति की बैठक स्थापित कर उनसे इस पर्व को हर्षोल्लास पूर्वक मनाने के लिए विचार विमर्श करने में जुटी है।यह बातें एसपी ग्रामीण अतुल कुमार सोनकर ने कही।उन्होंने बताया कि सभी सीओध्थाना प्रभारी निरीक्षक अपने अपने क्षेत्रों में शांति कमेटी की बैठक आयोजित कर रही है।इस मौके पर पुलिस इन थाना क्षेत्रों में खासकर पिछले होली पर्व पर कही किसी तरह की अप्रिय स्थिति तो नहीं उत्पन्न हुई थी।या फिर इस पर्व पर अराजक तत्वों द्वारा होली के दिन किसी तरह की खलल उत्पन्न करने की कोशिश की गई थी। उन्होंने बताया कि इस बार पहले से ही पुलिस ऐसे शोहदे व अराजक तत्वों को चिह्नित कर उनपर कार्यवाही करेगी। उन्होंने बताया कि सभी सीओध्थाना प्रभारी निरीक्षक को सख्त हिदायत दी गई है कि वे अपने अपने क्षेत्रों में इस पर्व को सकुशल सम्पन्न कराने के लिये अभी से रणनीति बना ले।ध्यान रहे कोई भी होलिका दहन में गत वर्ष की तुलना में बढ़ोतरी नहीं होनी चाहिए।पुराने परंपरा के मुताबिक ही इस बार भी होली पर्व को पुलिस कर्मी सम्पन्न कराये।विवादित होलिका दहन स्थल को चिन्हित कर वहां पर पर्याप्त संख्या में सुरक्षा कर्मियों की तैनाती रहनी चाहिए।

जो भी हो त्यौहार रजिस्टर के मुताबिक होना चाहिए। एसपी ग्रामीण श्री सोनकर ने लोगों से अपील किया कि होली आपसी भाईचारे का पर्व है।इस पर्व को बिना शराब के सेवन के साथ ही साथ बिना लड़ाई झगड़े के आपसी भाईचारे के साथ मनाये। होली पर आप सभी ऐसे त्वचा को प्रभावित करने वाले रंगों का का प्रयोग न करें।उन्होंने कहा कि होली पर आप सभी ऐसा कोई कार्य कानून विरोधी न करें,जिसके चलते पुलिस को आपके विरुद्ध कार्रवाई करना पड़े।

बीएसआईपी में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस मनाया गया

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। बीरबल साहनी इंस्टीट्यूट ऑफ पैलियोसाइंसेज (बीएसआईपी), लखनऊ ने 8 मार्च, 2024 को इंस्पायर इंक्लूजन थीम के तहत अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस (आईडब्ल्यूडी) मनाया है। इस कार्यक्रम को मनाने का मुख्य उद्देश्य महिलाओं की सामाजिक, आर्थिक, सांस्कृतिक एवं राजनीतिक उपलब्धियाँ की पहचान के अलावा जीवन के सभी पहलुओं में लैंगिक समानता हासिल करना हैं, जो समृद्ध अर्थव्यवस्थाओं और एक स्वस्थ ग्रह बनाने के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। IWD लैंगिक समानता और महिलाओं के खिलाफ हिंसा और दुर्व्यवहार जैसे मुद्दों पर ध्यान केंद्रित करता है। यह एक दिवसीय कार्यक्रम बीएसआईपी के निदेशक प्रो. महेश जी. ठक्कर के मार्गदर्शन में सफलतापूर्वक आयोजित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता मुख्य अतिथि सुश्री प्राची गंगवार, उप वन महानिरीक्षक, पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय (एमओईएफसीसी) ने की। सुश्री अंकिता सिंह चौहान, राज्य कर अधिकारी, जीएसटी विभाग, उत्तर प्रदेश सरकार आज के समारोह की सम्मानित अतिथि थीं। बीएसआईपी की वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. बिनीता फर्तियाल ने भी इस प्रतिष्ठित सभा मै सम्मिलित हुई और विज्ञान और प्रौद्योगिकी में महिलाओं की भूमिका और बढ़ती भागीदारी पर बात की। समारोह की शुरुआत समन्वयक और वैज्ञानिक डॉ. शिल्पा पांडे द्वारा कार्यक्रम और विषय के संक्षिप्त परिचय के साथ हुई, जिसके बाद दीप प्रज्ज्वलन हुआ। प्रोफेसर महेश जी. ठक्कर (निदेशक बीएसआईपी) ने दर्शकों का गर्मजोशी से स्वागत किया। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि महिलाएं हमेशा समाज के विकास के लिए प्रेरक शक्ति रही हैं और उन्हें राष्ट्र निर्माण के लिए विभिन्न क्षेत्रों में अपने नवीन विचारों को प्रदर्शित करने के लिए प्रोत्साहित किया जाना चाहिए। डॉ. ठक्कर ने कहा कि महिलाओं को घर के काम तक ही सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि उनके माता–पिता, जीवनसाथी और ससुराल वालों को उच्च शिक्षा हासिल करने और स्वतंत्र होने के लिए प्रेरित करना चाहिए। उन्होंने वर्तमान सरकार द्वारा महिलाओं के लिए विभिन्न योजनाओं पर ध्यान केंद्रित किया जो उनके अधिक स्वतंत्र होने के लिए फायदेमंद हैं। स्वतंत्र महिलाओं के पास अपने और अपने बच्चों के लिए सर्वश्रेष्ठ चुनने और करने की शक्ति होती है। उन्होंने कहा कि बीएसआईपी काफी भाग्यशाली है कि उसके पास पर्याप्त संख्या में महिला कर्मचारी हैं जो सक्रिय रूप से अपने कर्तव्यों में लगी हुई हैं। महिलाओं ने हमेशा अर्थव्यवस्था, स्वास्थ्य, कृषि, जलवायु परिवर्तन आदि से संबंधित गंभीर मुद्दों से निपटने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। सुश्री प्राची गंगवार ने महिलाओं को अपने लक्ष्य के प्रति दृढ़ संकल्पित एवं प्रेरित रहने पर बल दिया। उन्होंने अपने जीवन की चुनौतियों का हवाला दिया और बताया कि कैसे उन्होंने आत्मविश्वास के साथ उनका सामना किया और महिलाओं को अधिक चुनौतीपूर्ण काम करने के लिए प्रोत्साहित करने में पुरुषों की रचनात्मक भूमिका पर भी प्रकाश डाला। सुश्री अंकिता चौहान ने भी समाज में महिलाओं के सामने आने वाली समस्याओं पर प्रकाश डाला और महिलाओं से जीवन में चुनौतियों का सामना करने की अपील की। श्रीमती विनीता वर्मा, पूर्व प्रधान और स्वयं सहायता समूह, ग्राम नगवामऊकला, बख्शी का तालाब और सुश्री सरला सचान, संवाददाता, सखी बैंक ऑफ बड़ौदा जैसी दो उत्कृष्ट गुमनाम महिलाएं को निदेशक, बीएसआईपी द्वारा सम्मानित किया गया। संस्थान ने अपने–अपने कर्तव्यों में निरंतर

प्रयासों के लिए स्वच्छता टीम से श्रीमती केसर जहा और श्रीमती नीतू और सुरक्षा टीम से सुश्री हर्षिता शुक्ला को भी सम्मानित किया। कार्यक्रम में बीएसआईपी महिला वैज्ञानिकों के संघर्ष और सफलता की कहानियों पर चर्चा की गई। वैज्ञानिकों, तकनीकी और प्रशासनिक समेत बीएसआईपी के सभी कर्मचारियों, शोधार्थियों ने कार्यक्रम में सक्रिय रूप से भाग लिया और महिलाओं के खिलाफ सभी प्रकार की हिंसा और भेदभाव के उन्मूलन के बारे में जागरूकता बढ़ाने हेतु एक–दूसरे को प्रेरित किया। महिलाओं के बुनियादी मानवाधिकारों के सम्मान को सुनिश्चित करना भी आईडब्ल्यूडी का एक उद्देश्य हैं। समग्र कार्यक्रम का उद्देश्य घर और कार्यस्थल पर महिलाओं को प्रोत्साहित करना, सुरक्षा सुनिश्चित करना और उनका समग्र सशक्तिकरण सुनिश्चित करना है ताकि उनका आत्मविश्वास बढ़ाया जा सके और स्वस्थ और समृद्ध समाज के निर्माण में उनकी क्षमता का एहसास हो सके। कार्यक्रम का समापन बीएसआईपी की वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. पूनम वर्मा के धन्यवाद प्रस्ताव के साथ हुआ।

महिला दिवस पर शिक्षा, चिक जननी शक्ति सम्मान से संस्था ने किया सम्मानित किया

महिलाएं अपने कर्तव्यों के साथ हर क्षेत्र में कदम बढ़ा रही हैं – प्राचार्य मंजूषा मिश्रा

(डॉ अजय तिवारी
जिला संवाददाता)

अयोध्या। मां शांति सेवा फाउंडेशन बेनीगंज प्रांगण में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर

पर शिक्षा, चिकित्सा एवं सुरक्षा के क्षेत्र में मातृ शक्ति अपने कर्तव्यों के साथ–साथ समाज में भी उत्कृष्ट कार्य कर रही हैं संस्था ने तीन महिला विभूतियों को नारी शक्ति सम्मान 2024 स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया साथ–साथ उपस्थित महिलाओं को भी प्रोत्साहन हेतु पट्टीका अंग वस्त्र भेंटकर मुख्य अतिथि एवं अतिथियों सहित संस्था अध्यक्ष ने सभी को सम्मानित किया। अध्यक्ष नेहा कुमारी ने बताया कि कार्यक्रम की मुख्य अतिथि प्रोफेसर मंजूषा मिश्रा प्राचार्य मनूचा डिग्री कॉलेज ने संस्था प्रेरणा स्रोत समाजसेविका स्वर्गीय श्रीमती शांति देवी जी के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन नमन करते हुए कार्यक्रम का शुभारंभ किया, मुख्य अतिथि प्रो. मंजूषा मिश्रा को माल्यार्पण एवं बैज लगाकर संस्था अध्यक्ष नेहा कुमारी ने स्वागत किया साथ ही विशिष्ट अतिथि उप निरीक्षक शिखा सिंह आर जे बी थाना को माल्यार्पण कर स्वागत प्रज्ञा श्रीवास्तव ने एवं डॉक्टर सोनी शर्मा को माल्यार्पण कर स्वागत किया।मनोरमा साहू ने साथ ही अध्यक्ष नेहा कुमारी ने स्वागत उद्बोधन में सभी का स्वागत करते हुए उत्कृष्ट कार्य के लिए संरक्षक बसंत राम के नेतृत्व में सभी सदस्यों ने संयुक्त रूप से ष्जननी शक्ति सम्मान 2024 ष्स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया एवं सभी का आभार व्यक्त किया। संरक्षक बसंत राम ने बताया कि संस्था मां जननी के नाम पर स्थापित है सामाजिक कार्य के साथ–साथ महिलाओं का सम्मान करना परम कर्तव्य है सभी अतिथियों ने अपने उद्बोधन में जो भी ज्ञान दिया उनके विचारों से सभी लोग प्रेरित होकर समाज में अच्छी दिशा में कार्य करेंगे सम्मान व प्रेम से बढ़कर समाज एवं जीवन में कुछ भी नहीं। कार्यकारी अध्यक्ष प्रज्ञा श्रीवास्तव ने सभी अतिथियों का धन्यवाद ज्ञापित किया, सदस्य विनय प्रकाश मौर्य ने कार्यक्रम का संचालन करते हुए सभी का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में–सुषमा गुप्ता, अर्चना गोस्वामी रोली, श्रीवास्तव, सुषमा गौतम, आरती देवी, चंद्र प्रकाश चौधरी, सत्येंद्र मिश्रा, सारस्वत श्रीवास्तव ,सूरज चौधरी, काजल चौरसिया, प्राजंलि चौधरी, पायल चौरसिया ,खुशबू सहित आदि लोग उपस्थित रहे।

महाशिवरात्रि पर एसडी मेमोरियल, जाना बाजार कैंपस में बही संगीतमयी भक्तिधारा

अयोध्या। शिवरात्रि,जिसे महाशिवरात्रि भी कहा जाता है,जो कि एक महत्वपूर्ण हिन्दू त्योहार है। इस मौके पर भगवान शिव की पूजा और अराधना के रूप में मनाया जाता है।इस अद्वितीय अवसर पर,एसडी मेमोरियल कैंपस ने एक आध्यात्मिक और सामाजिक समर्थन का संगीतमयी का आयोजन हुआ। जिसके चलते कैंपस का पूरा वातावरण भक्तिमय हो गया।इस मौके पर प्रसाद वितरण का भी आयोजन किया गया।

इस कार्यक्रम का मुख्य आयोजन का मुख्य उद्देश्य समृद्धि, शांति, और आनंद की भावना को बढ़ावा देना है। यहां आए लोग अपने आत्मा को शुद्ध करने, और आत्मिक विकास की दिशा में कदम बढ़ाने का सुनहरा अवसर प्राप्त करेंगे। इस अवसर पर विद्यालय के शिक्षक, अभिभावक और अन्य सहयोगी प्रिंसिपल श्री कौशल किशोर सिन्हा के साथ मौजूद रहे।

'महिला दिवस के अवसर पर, संगोष्ठी का आयोजन'

अयोध्या। आचार्य नरेंद्र देव कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कुमारगंज अयोध्या के सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय के मानव विकास एवं परिवार अध्ययन विभाग द्वारा अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर महिला संगोष्ठी का आयोजन किया गया ।यह कार्यक्रम विश्वविद्यालय के कुलपति डा बिजेंद्र सिंह के दिशा निर्देशन में आयोजित किया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ समस्त सम्मानित अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलित करके किया गया। सर्वप्रथम अधिष्ठाता सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय प्रोफेसर साधना सिंह ने समस्त अतिथियों का स्वागत किया तथा अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के महत्व के पर अपने विचार प्रस्तुत किये। कार्यक्रम में महाविद्यालय के छात्र–छात्राओं द्वारा रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया जिसमें महिलाओं के विकास को दर्शाती हुई एक नाटिका भी प्रस्तुत की गई। कार्यक्रम की अगली कड़ी में एन डी डी ए वी पब्लिक स्कूल की प्रधानाचार्य पुष्पा ने महिला दिवस की शुभकामनाएं देते हुए बालिकाओं की शिक्षा पर जोर दिया। अधिष्ठाता कृषि महाविद्यालय प्रोफेसर प्रतिभा सिंह ने इस अवसर पर अपने देश की सफल महिलाओं का उदाहरण देते हुए सभी महिलाओं को विकास के पथ पर आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। अयोध्या से आई हुई डिप्टी कलेक्टर अनामिका श्रीवास्तव ने अपनी सफलता की कहानी को बताते हुए छात्र–छात्राओं को प्रशासनिक सेवा में आने के लिए उत्साहित किया तथा इस विषय में सहयोग देने का आश्वासन दिया। ग्रामीण क्षेत्र में कुटीर उद्योग स्थापित कर उत्कृष्ट कार्य करने वाली चार महिलाओं क्रमशः नारायणी, रामकांती, विजयलक्ष्मी मिश्रा एवं हीरा चतुर्वेदी को सम्मानित किया गया।कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विश्वविद्यालय के कुल सचिव प्रोफेसर पी एस प्रमाणिक ने देश के विकास में महिलाओं की भागीदारी पर चर्चा करते हुए अपने विचार प्रस्तुत किये। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर एक रंगोली प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया जिसमें प्रियंका ने प्रथम स्थान विभा ने द्वितीय स्थान एवं साजिया ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। कार्यक्रम की संयोजक सरिता श्रीवास्तव, सहायक प्राध्यापक ने समस्त अतिथियों को धन्यवाद ज्ञापित किया कार्यक्रम का संचालन डॉक्टर प्राची शुक्ला ने किया। इस कार्यक्रम में ग्राम खदरा ,कटिया, जिगनाही, गोविंदपुर, खारा, सिंह पुर, तिलोईआदि की 120 महिलाओं ने प्रतिभाग किया। कार्यक्रम में अतिथि के रूप में ओंकार सेवा संस्थान के सूर्यकांत त्रिपाठी, कृति फाउंडेशन तथा विश्वविद्यालय की समस्त शिक्षिकाओं एवं महिला कर्मचारी उपस्थित रही।

10 मार्च को फोर रन फार राम के नाम दौड़ का होगा आयोजन

(डॉ अजय तिवारी
जिला संवाददाता)

अयोध्या। आध्यात्मिक नगरी अयोध्या में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के अनुसांगिक संगठन कीड़ा भारती, अयोध्या नगर निगम के साथ भारतीय स्टेट बैंक के संयुक्त तत्वावधान में 10 मार्च रविवार को लता मंगेशकर चौराहे के पास स्थित राम कथा पर्क से प्रातः 4 रन फार राम के नाम पर दौड़ प्रतियोगिता का आयोजन होगा।जिसमें 20000 प्रतिभागी अपना रजिस्ट्रेशन कर चुके है।रन फर राम में तीन प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है जिसमें 3 किलोमीटर की प्रतियोगिता लता मंगेशकर चौराहे से प्रारंभ होगी साकेत पेट्रोल पंप पर पहुंचेगी और वहां से लता मंगेशकर चौक वापसी होगा।10 किलोमीटर की प्रतियोगिता लता मंगेशकर चौराहे से प्रारंभ होगी उदय पब्लिक चौराहे तक जाएगी वहां से लता मंगेशकर चौराहे पर वापसी होगा और जो प्रतिभागी 22 किलोमीटर की दौड़ में भाग लेंगे वह पुराने पुल से कटरा तक जाएंगे और वहां से लता मंगेशकर चौक पर उनकी वापसी होगी। प्रतियोगिता में भाग लेने वाले प्रतिभागियों को 11000 से 150000 तक इनाम दिया जाएगा। प्रतियोगिता की पूर्व संध्या पर अयोध्या नगर निगम के महापौर गिरीश पति त्रिपाठी तथा एसबीआई के महाप्रबंधक आर नटराजन की उपस्थिति में प्रतियोगिता का शुभारंभ कीनिया के धावक मैथ्यू तथा हिलेरी तथा सैकड़ो

की संख्या में उपस्थित प्रतियोगियों को चेस्ट नंबर तथा टी शर्ट बाटकर किया गया। दौड़ में भाग लेने वाले प्रतिभागियों पर उनके टी–शर्ट पर चेस्ट नंबर अलर्ट होगा वहीं उनकी पहचान होगी। इस अवसर पर महापौर गिरीश पति त्रिपाठी ने बताया कि हमारे जीवन में प्रभु श्री राम का बहुत महत्व है अगर हम अपने जीवन में प्रभु श्री राम के आदर्शों को धारण कर लें तो इस धारा से सभी अनित कार्य नष्ट हो जाएंगे और अयोध्या में दौड़ की है पहली प्रतियोगिता होने जा रही है जिसमें देश ही नहीं बल्कि विदेश के धावक भी भाग ले रहे हैं यह अयोध्या और प्रभु श्री राम के गरिमा का प्रताप है।इस अवसर पर दिनेश खारा अध्यक्ष भारतीय स्टेट बैंक कॉर्पोरेट ऑफिस मुंबई, शरत सत्यनारायण चण्डक, मुख्य महा प्रबंधक लखनऊ मंडल, अरुण कुमार साहू ,नेटवर्क – 1 लखनऊ मंडल महा प्रबंधक, आर नटराजन उप महाप्रबंधक लखनऊ, संजीव कुमार यादव क्षेत्रीय प्रबंधक अयोध्या अभिनव श्रीवास्तव मुख्य प्रबंधक मुख्य शाखा फैजाबाद, गोविंद मिश्र मुख्य प्रबंधक अयोध्या शाखा, रघु राम सागर प्रबंधक संपर्क सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

धूमधाम से मनाया गया महाशिवरात्रि का पर्व, शिव धाम पर हुआ जलाभिषेक, इसौली में निकली शिव बारात'

सुल्तानपुर । सुल्तानपुर में धूमधाम से महाशिवरात्रि के अवसर पर जिला अभिषेक किया गया वहीं बल्दीराय के इसौली में शिव बारात भक्तों ने धूमधाम से निकला। महाशिवरात्रि के पावन अवसर पर उत्तर प्रदेश अपराध निरोधक समिति लखनऊ अयोध्या मंडल प्रभारी सचिव धजिला सचिवध्जेल विजिटर अमर बहादुर सिंह के नेतृत्व में व जिला अधिकारी कृतिका ज्योत्सना, पुलिस अधीक्षक सोमेन वर्मा के निर्देशन में सभी प्रशासनिक अधिकारियों ने चौकसी बढ़ाई। चादा कोतवाली क्षेत्र में गौरी शंकर धाम पर अवधेश सिंह तहसील उपाध्यक्ष ,शिवमंगल गौतम, सोमिल कुमार दूबे, वलीपुर जंगली नाथन शिव धाम पर चौकी उपाध्यक्ष राकेश कुमार ,घंटेश्वर शिव धाम पर समिति के सलाहकार आलोक श्रीवास्तव, डेहरियावा के त्रिभुवन नाथ भोले बाबा के धाम पर हलियापुर थाना सचिव करन साहू ,संयोजक अरुण कुमार मौर्य ,धनंजय राठौर, कौशल मौर्य व इसौली रामलीला मैदान से शिव बारात की भव्य झांकी निकाली गई। सुरक्षा व्यवस्था में उप जिला अधिकारी विदुषी सिंह, पुलिस क्षेत्राधिकारी सौरभ सावंत, थाना अध्यक्ष हलियापुर अंजू मिश्रा,उप निरीक्षक नरेंद्र बहादुर सिंह, बल्दीराय थानाध्यक्ष आर बी सुमन, पारा चौकी इंचार्ज सी एच सोनकर समेत अनेकों प्रशासनिक अधिकारियों ने मुस्तादी से तैनात रहे। सचिव अमर बहादुर सिंह ने बताया कि समिति अपने उत्तरदायित्वों का निर्वहन बखूबी से करते हुए क्षेत्र की शांत व्यवस्था बनाने में अतुलनीय योगदान दिया है। मंडल सह सचिव धजिला प्रभारी बाल गोविन्द मौर्य के द्वारा बताया गया पूरे जनपद में समिति के द्वारा प्रशासनिक अधिकारियों के साथ कंधों से कंधा मिलाकर धार्मिक पर्व को सकुशल संपन्न कराया जो बहुत ही सराहनीय रहा ।इस मौके पर बल्दीराय तहसील उपाध्यक्ष डॉ शमीम खान मीडिया प्रभारी राहुल दूबे,पारा चौकी उपाध्यक्ष शिव प्रसाद मौर्य , समिति के हलियापुर थाना प्रभारी धनंजय राठौर ,वलीपुर चौकी सचिव हरिराम मौर्य, पारा चौकी प्रवक्ता मो इश्तियाक, पारा चौकी सचिव मो जुबेर ,तहसील विधिक सलाहकार मो कफील खान ,वरिष्ठ पदाधिकारी दिल्ली से आए डॉ ओम प्रकाश मौर्य समेत अनेकों पदाधिकारियो ने अपने उत्तरदायित्व का निर्वहन किया। जिला पंचायत सदस्य बद्रीनाथ यादव,आचार्य सूर्यभान पांडेय , सतेन्द्र कुमार समेत कई लोग उपस्थित रहे। थाना अध्यक्ष आर बी सुमन सुमन ने समिति के कार्यों की प्रशंसा करते हुए सभी का आभार व्यक्त किया है।

एसबीआई ने अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य पर वृद्धाश्रम को दिया वाटरकूलर, गीजर, ब्लोवर और आलमारी

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। भारतीय स्टेट बैंक, प्रशासनिक कार्यालय, लखनऊ के उप महाप्रबंधक श्री आर. नटराजन ने गुरुवार को "समर्पण", वृद्धजन परिसर, आदिल नगर, लखनऊ में रहने वाले वृद्धजनों के लिए ब्लोवर, गीजर, आलमारी और वाटरकूलर बैंक की सीएसआर नीति के तहत भेंट किया।

इस अवसर पर भारतीय स्टेट बैंक की महिला क्लब की अध्यक्षा श्रीमती अंजू चाण्डक मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं। महिला क्लब से श्रीमती मिनी साहू , श्रीमती विद्या नटराजन एवं अन्य सदस्य भी मौजूद थे ।

समर्पण, वृद्धजन परिसर के प्रबंधक डॉ. यू.सी. वाजपेयी ने प्रदान की गई वस्तुओं के लिए बैंक का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह वृद्धजनों के लिए बैंक का बड़ा सहयोग है। इस अवसर पर एसबीआई के क्षेत्रीय प्रबंधक श्री विक्रांत तिवारी, सहायक महाप्रबंधक श्री आलोक चंद्रा, मुख्य प्रबंधक श्रीमती पूजा वशिष्ठ, राजभाषा अधिकारी श्री दिनेश मणि पाठक, आशुलिपिक श्री शेर बहादुर तथा वृद्धाश्रम से मेजर वीके खरे, श्री पीके श्रीवास्तव, श्री राधेश्याम वाजपेयी, श्री डीसी तिवारी सहित अन्य लोग उपस्थित थे।

सान्ध्य हिन्दी दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी में. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक
श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव

मो0 - 7007415808, 9628325542, 9415034002
RNI सन्दर्भ संख्या - 24/234/2019/R/-1
Email - deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से संबधित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायालय होगा।